साप्ताहिक
www.noidaviews.com
RNI: UPHIN/2016/70868
नोएडा
03 जुलाई 2023 से
09 जुलाई 2023
वर्ष: 07, अंक: 34
पेज: 08, मूल्य: 3 रूपया

नोएडा व्यूज

● नोएडा ● ग्रेटर नोएडा ● दादरी ● जेवर

शहद के इस्तेमाल से बनाए जा सकते हैं ये स्वादिष्ट व्यंजन
8

कहा जाता है ग्रेनो प्राधिकरण के संपत्ति विभाग के कर्मचारी बिना पैसे लिए नहीं खोलते मुंह, कुछ कर्मचारी 10 वर्ष से इसी विभाग में

ग्रेटर नोएडा। कपिल चौधरी

ग्रेटर नोएडा विकास प्राधिकरण के कुछ भी विभागों में भ्रष्टाचार दूर से ही दिखाई देता है ऐसे ही एक विभाग है प्राधिकरण का संपत्ति विभाग। इस विभागों के कर्मचारी बिना पैसे लिए मुंह नहीं खोलते हैं इस विभागों में इस समय सबसे ज्यादा भ्रष्टाचार बताया जाता है।

सुप्रीम कोर्ट की एक टिप्पणी याद आती है जिसमें माननीय न्यायालय ने कहा था प्राधिकरण की आंख नाक और कान से भ्रष्टाचार टपकता है आज लगता है कि वह सही ही कहा था।

प्राधिकरण के कार्यालय में तीसरे माले पर है इस विभाग में सबसे ज्यादा काम आम आदमी के ही होते हैं प्राधिकरण के कर्मचारी इन्हे फाइलों में उलझा देते हैं। उनसे नए-नए कागज मांगते है। जिन्हें वो पूरे नहीं कर पाते हैं उसकी एवज में उनसे मोटा पैसा मांगा जाता है सूत्रों के अनुसार कहा जाता है कि संपत्ति विभाग में प्रॉपर्टी ट्रांसफर करने के लिए स्क्वायर मीटर में रिश्वत ली जाती है। बहुत काम तनख्वा पाने वाले भी आज करोड़ पति है।

संपत्ति विभाग में ऐसे भी कर्मचारी है जिन्हें लगभग 10 वर्ष हो गए एक ही विभाग में काम करते हुए।

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की इस विभाग में ऐसे कर्मचारी भी जमे हुए हैं जिन्हें लगभग 10 वर्ष हो गए हैं एक ही विभाग में काम करते हुए। ऐसे कर्मचारी का ट्रांसफर क्यों नहीं किया जा रहा?

इसकी भी जांच होनी चाहिए, इस बात से यह स्पष्ट होता है कि जो कर्मचारी ज्यादा समय तक एक ही विभाग में रहता है वहां भ्रष्टाचार होने की गुंजाइश बहुत ज्यादा होती है।

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की मुख्य कार्यपालक अधिकारी ने कार्यभार संभालने के बाद ही प्राधिकरण के अधिकारियों को कड़ा संदेश देते हुए कहा था कोई भी भ्रष्टाचारी बक्सा नहीं जाएगा, जो भी अधिकारी भ्रष्टाचार करेगा या अन्य अनियमितताओं में लिप्त पाया जाएगा।

उसके खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई होगी, लेकिन लगता है कि इन अधिकारियों पर मुख्य कार्यपालक अधिकारी के संदेश का कोई फर्क नहीं पड़ा, इन्हें किसी का कोई डर नहीं है बेखौफ होकर भ्रष्टाचार को अंजाम दे रहे हैं।

सोसाइटी में लोगों ने अपनी मर्जी से किया अवैध निर्माण, लोगों ने बनाए अवैध दुकानें और कमरे

ग्रेटर नोएडा। कपिल चौधरी

पिछले कुछ समय से ग्रेटर नोएडा शहर के लोग नए-नए कारनामे कर रहे मानो ऐसा लगता है कि शहर के लोगों ने प्राधिकरण के नियम माने बंद कर दिए हैं।

प्राधिकरण भी आंखें बंद करके लोगों को अपनी मनमर्जी करने दे रहा है। शहर के लोग अपनी मनमर्जी से अतिक्रमण कर रहे हैं जबकि सोसाइटी में प्राधिकरण के नियम के अनुसार ही निर्माण किया जा सकता है। ऐसा हम पिछले काफी समय से सुनते आ रहे हैं और प्राधिकरण के अधिकारी भी बताते हैं कि नियम ऐसे ही है लेकिन फिर लोग मान क्यों नहीं रहे और प्राधिकरण मनवा क्यों नहीं रहा?

सोसाइटी में किया पक्का अवैध निर्माण

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के अंतर्गत आने वाले सेक्टर ओमीक्रॉन 1 में लाल बिल्डिंग के नाम से मशहूर अफॉर्डेबल सोसाइटी है जिसमें सैकड़ों परिवार रह रहे हैं। उस सोसाइटी की हालत अगर आप देखेंगे तो आपको सोसाइटी में हर तरफ अवैध निर्माण ही दिखाई देगा। सोसाइटी के ज्यादातर लोगों ने पक्का निर्माण कर लिया है।

यहां तक की लोगों ने फर्स्ट फ्लोर पर भी अतिरिक्त कॉलम बनाकर के छज्जे का एरिया डबल कर लिया है और सोसाइटी के ज्यादातर घरों में दुकानें बना दी गई हैं। यह सब निर्माण पूरी तरह अवैध है जिस पर कार्रवाई करते हुए प्राधिकरण को यह सब हटाना चाहिए।

अगर इसी तरह चलता रहा तो एक दिन शहर में हर व्यक्ति अपने तरीके से निर्माण करेगा और प्राधिकरण की जमीन पर भी कब्जा करेगा।

प्राधिकरण के अधिकारियों के ढुलमुल रवैया के कारण ऐसी अवैध गतिविधियों की संख्या दिन प्रतिदिन बढ़ती जा रही है। लोगों की शिकायत के बावजूद भी प्राधिकरण के अधिकारी नहीं जगते हैं। प्राधिकरण को आंखें खोल कर जहां पर भी अवैध गतिविधियां हो रही है उनको चिन्हित कर उन पर कार्रवाई की जाए।

समान मुआवज़ा व रोज़गार अन्य माँगों को लेकर किसानों का धरना

नोएडा। एनटीपीसी दादरी से प्रभावित 24 गाँवों के किसानों समान मुआवज़ा व रोज़गार अन्य माँगो को लेकर एनटीपीसी के गेट पर 257 वे दिन धरना जारी रहा है। पंचायत की अध्यक्षता श्रीमती विमला राणा सलारपुर व संचालन मास्टर मनमिंदर भाटी ने किया। भारतीय किसान परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुखवीर ख़लीफ़ा जी ने कहा कि हमारी सांसद डाक्टर महेश शर्मा जी ने 30 जून को वार्ता सीएमडी व केंद्रीय ऊर्जा मंत्री से वार्ता कराने का वादा किया था जो पुरा नहीं किया जिससे किसान नाराज़ हो गये।

आज किसानो ने गेट पर ताला बन्दी करने की घोषणा कर दी जिससे पुलिस प्रशासन मौक़े पर पहुँचकर एडिशनल DCP अशोक कुमार जी ने एडीएम अतुल कुमार जी ने किसानों को आश्वासन दिया है कि कल दोपहर 3 बजे डीएम कार्यालय सुरजपुर मैं किसानों के प्रतिनिधिमंडल डीएम व एनटीपीसी के अधिकारियों से वार्ता करा कर किसानों की समस्याओं का समाधान कराने का काम करेंगे। जिससे किसान शान्त हुए और कहा कि अगर हमारे करार पुरे नहीं होते हैं तो हम फिर से गेट पर ताला बन्दी व कोयला की रेल व पानी को रोकने का काम करेंगे।

अबकी बार किसान हर क़ीमत देने को तैयार है लेकिन अब किसान अपने करार पुरे करा कर दम लेंगे।

मासूम को अगवा कर हत्या करने वाले दो दोषियों को उम्रकैद मिली

ग्रेटर नोएडा। सूरजपुर के गुलिस्तानपुर से साढ़े चार वर्ष के मासूम रितिक को अगवा कर हत्या के मामले में कन्नौज निवासी अनिल और विजय को उम्रकैद की सजा सुनाई गई है। पड़ोस में किराये पर रहने वाले दोनों दोषियों ने दो लाख की फिरौती के लिए गुलिस्तानपुर निवासी ब्रह्मदेव के मासूम बेटे को अगवा किया था। दोनों ने मासूम की हत्या कर शव सूरजपुर में दलदल में छुपा दिया था। जिला जज अवनीश कुमार सक्सेना की अदालत ने दोनों दोषियों पर 50-50 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया है।

शासकीय अधिवक्ता ब्रह्मजीत भाटी ने बताया कि मूलरूप से बिहार के सहरसा निवासी ब्रह्मदत्त गुलिस्तानपुर में किराये पर कमरा लेकर रहते थे। 24 जनवरी 2021 को घर से बाहर उनके छोटे बेटे रितिक को अगवा कर लिया गया। शिकायत पर पुलिस केस दर्ज कर बच्चे की तलाश में जुट गई। जांच में पुलिस को पता चला कि करीब एक माह पहले ब्रह्मदत्त के पड़ोस में रहने आए जिला कन्नौज गांव उलर निवासी अनिल और विजय वारदात के बाद से लापता हैं। शक होने पर वारदात के 21 दिन बाद पुलिस ने अनिल को गिरफ्तार किया। अनिल ने पूछताछ में जुर्म कबूल कर लिया। पुलिस ने औद्योगिक क्षेत्र साइड बी स्थित कंपनी के पीछे दलदल से बच्चे का क्षतविक्षत शव बरामद किया।

संपादकीय

आजादी का अमृतकाल

कपिल कुमार
संपादक, नोएडा व्यूज

सनातन संस्कृति का यह स्वर्णिम दौर चल रहा है और भारत के माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सनातन संस्कृति के महत्त्वपूर्ण विचारों "वसुधैव कुटुम्बकम्" अर्थात्पूरा विश्व एक परिवार है तथा "सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः" सभी प्रसन्न एवं सुखी रहे, के इन्हीं मूलमंत्रों के साथ सनातन संस्कृति के संवाहक के रूप में हम सभी के मार्गदर्शक बन रहे हैं और समस्त विश्व को सनातन के विचारों से अवगत करवा रहे हैं। एक आधुनिक राष्ट्र के रूप में हमारा इतिहास करीब साढ़े सात दशक पुराना है, लेकिन हमारी सभ्यता 5,000 वर्ष से भी अधिक प्राचीन है। कहने की आवश्यकता नहीं कि भारत के खाते में अनगिनत उपलब्धियां हैं। उनके स्मरण के लिए इससे बेहतर और क्या अवसर हो सकता है कि जब हम अपनी आजादी के अमृतकाल में हैं, तो केवल इस दिशा में ठोस और एकजुट प्रयास किए जाने की आवश्यकता है।हम सब इस बात से भलीभाँति परिचित हैं कि भारतीय संस्कृति का विश्वकोष कहा जाने वाला 'रामचरितमानस' दर्शन, आचारशास्त्र, शिक्षा, समाज सुधार, साहित्यिक, आदि कई दृष्टियों से महत्वपूर्ण है, जो व्यक्ति को जीवन मूल्यों का दर्शन एवं गुणों के बारे में बहुत कुछ सिखाता है। लेकिन एक शब्द जो अक्सर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने संबोधन में कहते रहते हैं "सबका साथ" इसकी प्रेरणा भी हमें प्रभु श्री राम से मिलती है, जिन्होंने रावण का मुकाबला करने के लिए सबको साथ लेकर अपनी एक अलग सेना बनाई। ये वो लोग थे जिनके पास ना कोई सैन्य क्षमता थी और ना ही कोई युद्ध लड़ने का अनुभव था, लेकिन ये सभी संगठित अवश्य थे और साथ एवं विश्वास से लड़कर रावण पर विजय भी पाई। संगठित कार्य ही उत्तम परिणाम के आधार को प्रस्तुत करता है। सदियों से भारत अपनी सांस्कृतिक आध्यात्मिकता के लिए विख्यात है। यह देश आध्यात्मिक ज्ञान का केंद्र रहा है। यहां बहने वाले आस्था के सैलाब को सारी दुनिया देखने आती रही है। अनेक विदेशी यात्रियों ने भी अपने संस्मरणों में इनका उल्लेख किया है। हजारों साल के इतिहास में हमारे श्रद्धा केंद्रों को विधर्मियों द्वारा ध्वस्त किये जाने के बावजूद ये पवित्र स्थल अपने पुण्य प्रवाह के साथ वर्षों से टिके हुए हैं। अपनी उत्कृष्टता का दंभ भरने वाले मिस्र, रोम जैसी सभ्यताओं के चिन्ह आज नहीं के बराबर हैं, उनका एक भी सांस्कृतिक अंश अपने मूल स्वरूप में उपस्थित नहीं है। परन्तु भारत एकमात्र ऐसा देश है, जो यह दावा कर सकता है कि उसने लाखों विपत्तियों के बावजूद अपनी आध्यात्मिकता और आस्था केंद्रों की प्राण शक्ति से अपने सनातन चरित्र को जीवंत रखा है। बहरहाल, आजादी का सूरज निकलने के बाद उम्मीद थी कि स्वाधीन भारत की सरकारें इस पर ध्यान देंगी और हमारे आस्था के केंद्र अपनी प्राचीन अवस्था में पुर्नस्थापित होंगे, परन्तु एक खास तरह के तुष्टिकरण की राजनीति ने अपनी जगह बना ली और भारत के अनेक श्रद्धा केंद्र विकास की राह ताकते रहे।

> **अनेक विदेशी यात्रियों ने भी अपने संस्मरणों में इनका उल्लेख किया है। हजारों साल के इतिहास में हमारे श्रद्धा केंद्रों को विधर्मियों द्वारा ध्वस्त किये जाने के बावजूद ये पवित्र स्थल अपने पुण्य प्रवाह के साथ वर्षों से टिके हुए हैं। अपनी उत्कृष्टता का दंभ भरने वाले मिस्र, रोम जैसी सभ्यताओं के चिन्ह आज नहीं के बराबर हैं, उनका एक भी सांस्कृतिक अंश अपने मूल स्वरूप में उपस्थित नहीं है। परन्तु भारत एकमात्र ऐसा देश है, जो यह दावा कर सकता है कि उसने लाखों विपत्तियों के बावजूद अपनी आध्यात्मिकता और आस्था केंद्रों की प्राण शक्ति से अपने सनातन चरित्र को जीवंत रखा है। बहरहाल, आजादी का सूरज निकलने के बाद उम्मीद थी कि स्वाधीन भारत की सरकारें इस पर ध्यान देंगी और हमारे आस्था के केंद्र अपनी प्राचीन अवस्था में पुर्नस्थापित होंगे, परन्तु एक खास तरह के तुष्टिकरण की राजनीति ने अपनी जगह बना ली और भारत के अनेक श्रद्धा केंद्र विकास की राह ताकते रहे।**

यह दैवीय संयोग ही है कि 2014 से भारत के आध्यात्मिक जगत में सांस्कृतिक उत्थान के एक नये युग की शुरुआत हुई। 500 वर्षों से विवादित श्रीराम मंदिर का मार्ग प्रशस्त हुआ और आज मोदी सरकार के नेतृत्व में तेजी से मंदिर का निर्माण कार्य चल रहा है। भारी प्राकृतिक आपदा झेल चुके हमारे चार धाम में एक केदारनाथ धाम का कायाकल्प भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की इच्छा शक्ति से सम्पन्न हो चुका है।

यूसीसी संविधान निर्माताओं का बड़ा सम्मान

नीरज कुमार दुबे

समान नागरिक संहिता के विरोध में तमाम तरह के तर्क दे रहे, समान नागरिक संहिता आने पर तूफान आने की चेतावनी दे रहे और समान नागरिक संहिता आने पर धार्मिक आधार पर विभाजन बढ़ने की बात कह रहे लोगों को देखना चाहिए कि यह देश के लिए नई चीज नहीं है।

समान नागरिक संहिता को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हालिया बयान के बाद उम्मीद की जा रही है कि देश की बरसों पुरानी मांग जल्द ही पूरी होगी। देखा जाये तो समान नागरिक संहिता यदि हकीकत बनती है तो इससे देश की आकांक्षाएं ही पूरी नहीं होंगी बल्कि हमारे संविधान निर्माताओं की अपेक्षाएं भी पूरी होंगी। हमारे संविधान निर्माताओं ने समान नागरिक संहिता का पक्ष लेते हुए इसे मूर्त रूप देने का जो दायित्व आने वाली सरकारों पर छोड़ा था, उस संकल्प को यदि मोदी सरकार सिद्ध करती है तो निश्चित ही यह हमारी संविधान सभा के सदस्यों का सम्मान भी होगा। देखा जाये तो संविधान सभा ने जो संवैधानिक प्रावधान किये थे, उन सभी का पालन देश आरम्भकाल से करता आ रहा है। लेकिन कुछ ऐसे मुद्दे भी थे जिस पर संविधान सभा में सहमति तो थी लेकिन उस पर फैसला करने का दायित्व भविष्य की सरकारों के लिए छोड़ दिया गया था। यह गौर करने योग्य बात है कि उस दायित्व को पूरा करने का साहस पहली बार कोई सरकार दिखा रही है।

संपूर्ण प्रक्रिया का पालन हो रहा है

समान नागरिक संहिता पर विधि आयोग के समक्ष रोजाना ढेरों सुझाव आ रहे हैं। 14 जुलाई सुझाव और विचार भेजने की अंतिम तिथि है, तब तक यह संख्या लाखों में पहुँच सकती है। इसके अलावा, समान नागरिक संहिता को लेकर देश में गली-मोहल्लों से लेकर टीवी चैनलों की डिबेटों और राजनीतिक जनसभाओं के मंचों तक जो चर्चा और बहस का दौर चल रहा है वह दर्शा रहा है कि पूरा देश इस समय इस गंभीर मुद्दे पर मंथन कर रहा है। देखा जाये तो लोकतंत्र में किसी कानून के निर्माण में जितनी ज्यादा भागीदारी होगी वह कानून उतना ही सशक्त होगा। अभी जनता संभावित कानून को लेकर बहस कर रही है। जब मसौदा प्रस्ताव सामने आयेगा तब वह उसके लाभ हानि से जुड़े मुद्दों पर बहस करेगी और जनभावना को ध्यान में रखते हुए संसद में सांसद भी प्रस्तावित विधेयक पर बहस करेंगे। इसलिए जो लोग यह भ्रम फैलाने का अभियान चला रहे हैं कि समान नागरिक संहिता को थोपा जा रहा है उन्हें देखना चाहिए कि जब किसी कानून को बनाने से पहले संपूर्ण प्रक्रिया का पालन किया जा रहा है तब वह थोपा हुआ कैसे हो सकता है?

यूसीसी के विरोधी जरा ध्यान दें

इसके अलावा, समान नागरिक संहिता के विरोध में तमाम तरह के तर्क दे रहे, समान नागरिक संहिता आने पर तूफान आने की चेतावनी दे रहे और समान नागरिक संहिता आने पर धार्मिक आधार पर विभाजन बढ़ने की बात कह रहे लोगों को देखना चाहिए कि यह देश के लिए नई चीज नहीं है। गोवा में आजादी के बाद से ही समान नागरिक संहिता लागू है। क्या किसी ने सुना है कि वहां पर धार्मिक आधार पर भेदभाव होता है? क्या किसी ने सुना है कि समान नागरिक संहिता की वजह से किसी को अनावश्यक लाभ या किसी को नुकसान हुआ? जाहिर है इन सभी प्रश्नों का उत्तर नहीं में ही होगा। इसलिए जब हमारे समक्ष गोवा जैसा जांचा परखा और खरा उदाहरण है तो समान नागरिक संहिता का विरोध करना सिर्फ 'राजनीति' से प्रेरित कदम ही लगता है।

यूसीसी का विरोध आखिर क्यों?

इसके साथ ही हमें यह भी देखना चाहिए कि दुनिया के कई देशों में पहले से ही समान नागरिक कानून हैं। साथ ही यह भी ध्यान रखना चाहिए कि उच्चतम न्यायालय की ओर से भी इस संबंध में कानून लाने के लिए सरकार को कहा जा चुका है। इसलिए समय आ गया है कि इस मुद्दे को टालने की बजाय इसका हल निकालना चाहिए ताकि आने वाली पीढ़ियों को उन राजनीतिक विवादों को नहीं झेलना पड़े जिसका आज की पीढ़ी ने सामना किया या कर रही है। दुनिया जब तेजी से आगे बढ़ रही है, ऐसे में हम पीछे नहीं छूट जायें, इसके लिए जरूरी है कि देश के विकास और एकता को बाधित करने वाले दशकों पुराने मुद्दों का हल जल्द से जल्द निकाला जाये ताकि सरकार पुरानी दुश्वारियों को दूर करने में ऊर्जा लगाने की बजाय देश के भविष्य को सुनहरा बनाने में ही पूरी तरह प्रयत्नशील रहे।

मोदी सरकार की तैयारी

इसके अलावा, हाल ही में कानून मंत्री के रूप में अर्जुन मेघवाल की नियुक्ति यह भी संदेश देती है कि 'अर्जुन के अचूक निशाने' की प्रतिभा का उपयोग करने का समय आ चुका है। देखना होगा कि सरकार संसद के मॉनसून सत्र में ही समान नागरिक संहिता संबंधी विधेयक लाती है या फिर इसे संसद के शीतकालीन सत्र तक टाला जाता है। संसद के शीतकालीन सत्र के समय छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश और राजस्थान में विधानसभा चुनाव चल रहे होंगे, इसलिए यह उस समय भी राजनीतिक दृष्टि से भाजपा के लिए लाभदायक हो सकता है। लेकिन भाजपा ने और खुद प्रधानमंत्री ने जिस तरह समान नागरिक संहिता के मुद्दे पर अपनी सक्रियता बढ़ाई है उसको देखते हुए इस कानून के जल्द ही हकीकत बनने के आसार हैं।

दुर्लभ योग के साथ सावन में बन रहा हरिहर उपासना करने का अद्भुत संयोग

ज्योतिषाचार्य अतुल शास्त्री

8 सोमवार के साथ 59 दिनों का रहेगा इस बार का सावन माह। अधिक मास का भी मिलेगा शिव और विष्णु भक्तों को परम दुर्लभ लाभ कई वर्षों के बाद बन रहा है ऐसा संयोग सावन का महीना शिव भक्तों को समर्पित है। इस पवित्र महीने में भगवान शिव की उपासना की जाती है। कहा जाता है कि सावन के महीने में हर एक सोमवार को भगवान शिव की उपासना करने से जीवन में सुख समृद्धि आती है। साथ ही व्यक्ति की मनोकामना भी पूरी होती है। कहा जाता है कि सावन का महीना भगवान शिव को अत्यंत प्रिय है। श्रावण मास की शुरुआत कृष्ण पक्ष की प्रतिपदा तिथि से होती है। इस बार सावन का महीना करीब 2 महीने का रहने वाला है। आइए जानते हैं कब से शुरू होगा सावन का महीना। इस बार सावन में 8 सोमवार पड़ने वाले हैं। यानी इस बार सावन का महीना 2 महीने का रहने वाला है।

हिंदू पंचांग के अनुसार इस बार सावन का महीना करीब 2 महीने का होने वाला है। सावन मास की शुरुआत 4 जुलाई 2023 से होगी और 31 अगस्त 2023 तक रहेगा। यानी इस बार भक्तों को भगवान शिव की उपासना के लिए कुल 58 दिन मिलने वाले हैं। कहा जाता है कि यह शुभ संयोग 19 साल बाद बनाहै। शिवस्य हृदये विष्णुः विष्णोश्च हृदये शिवः।' अर्थात्भगवान शंकर के हृदय में विष्णु का और भगवान विष्णु के हृदय में शंकर का बहुत अधिक स्नेह है। इस बार 18 जुलाई से 16 अगस्त तक सावन अधिकमास रहने वाला है। यानी इस बार 18 जुलाई से 16 अगस्त तक अधिक मास रहेगा।

यानी इस बार सावन में भगवान शिव के साथ साथ भगवान विष्णु की भी कृपा प्राप्त होगी। पंचांग की गणना सौर मास और चंद्रमास के आधार पर की जाती है। चंद्रमास 354 दिनों का होता है। और सौर मास 365 दिन का। ऐसे में 11 दिन का अंतर आता है और 3 साल के अंदर यह अंतर 33 दिन का हो जाता है जिसे अधिकमास कहा जाता है। इस बार सावन एक की बजाय दो महीना का होने वाला है। यानी इस बार भोलेनाथ के भक्तों को उनकी उपासना करने के लिए 8 सोमवार मिलेंगे। कहा जाता है कि जो व्यक्ति सावन के सोमवार का व्रत करता है, उसके वैवाहिक जीवन में खुशहाली बनी रहती है। साथ ही जीवन में सुख समृद्धि की कमी भी नहीं रहती है। सावन के महीने में भगवान शिव पर धतूरा, बेल पत्र चावल चंदन, शहद आदि जरूर चढ़ाना चाहिए। सावन के महीने में की गई पूजा से भगवान शिव जल्दी प्रसन्न होते हैं। कहा जाता है कि सावन भगवान शिव का अति प्रिय महीना होता है। इसके पीछे की मान्यता यह है कि दक्ष पुत्री माता सती ने अपने जीवन को त्याग कर कई वर्षों तक श्रापित जीवन जीया। उसके बाद उन्होंने हिमालय राज के घर पार्वती के रूप में जन्म लिया। पार्वती ने भगवान शिव को पति रूप में पाने के लिए पूरे सावन महीने में कठोरतप किया जिससे प्रसन्न होकर भगवान शिव ने उनकी मनोकामना पूरी की। अपनी भार्या से पुनः मिलाप के कारण भगवान शिव को श्रावण का यह महीना अत्यंत प्रिय हैं। मान्यता है कि सावन के महीने में भगवान शिव ने धरती पर आकार अपने ससुराल में विचरण किया था जहां अभिषेक कर उनका स्वागत हुआ था, इसलिए इस माह में अभिषेक का महत्व बताया गया है। समुद्र मथने के बाद जो हलाहल विष निकला, उसे भगवान शंकर ने कंठ में समाहित कर सृष्टि की रक्षा की लेकिन विषपान से महादेव का कंठ नीलवर्ण हो गया। इसी से उनका नाम 'नीलकंठ महादेव' पड़ा। विष के प्रभाव को कम करने के लिए सभी देवी-देवताओं ने उन्हें जल अर्पित किया, इसलिए शिवलिंग पर जल चढ़ाने का ख़ास महत्व है।

यही वजह है कि श्रावण मास में भोले को जल चढ़ाने से विशेष फल की प्राप्ति होती है। शास्त्रों में वर्णित है कि सावन महीने में भगवान विष्णु योगनिद्रा में चले जाते हैं, इसलिए ये समय भक्तों, साधु-संतों सभी के लिए अमूल्य होता है।

यह चार महीनों में होने वाला एक वैदिक यज्ञ है जो एक प्रकार का पौराणिक व्रत है जिसे 'चौमासा' भी कहा जाता है। तत्पश्चात सृष्टि के संचालन का उत्तरदायित्व भगवान शिव ग्रहण करते हैं। इसलिए सावन के प्रधान देवता भगवान शिव बन जाते हैं। मरकंडू ऋषि के पुत्र मारकण्डेय ने लंबी आयु के लिए सावन माह में ही घोर तप कर शिव की कृपा प्राप्त की थी जिससे मिली मंत्र शक्तियों के सामने मृत्यु के देवता यमराज भी नतमस्तक हो गए थे।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक कपिल कुमार ने समग टू इंटरप्राइजेज प्राइवेट लिमिटेड, ए-157, सेक्टर-80, फेस-2, नोएडा से छपवा कर, ग्राम व पोस्ट- खेड़ी गौतमबुद्धनगर से प्रकाशित किया। **संपादकः कपिल कुमार,** मो. 9810402764,ई-मेलः noidaviews2014@gmail.com ● नोटः सभी विवादों का निस्तारण गौतमबुद्धनगर न्यायालय के अधीन होगा।

PUBG पर हुआ कराची की सीमा को सचिन से हुआ प्यार तो चार बच्चों संग नेपाल के रास्ते आई नोएडा

ग्रेटर नोएडा। पबजी गेम पार्टनर संग जिंदगी बिताने के लिए पाकिस्तान की सीमा (27) चार बच्चों संग दो देशों की बॉर्डर ही नहीं सारे बंधन लांघकर रबूपुरा कस्बे में पहुंच गई। सीमा नेपाल के रास्ते लगभग एक माह पहले भारत पहुंची और रबूपुरा के सचिन के साथ शुक्रवार रात तक रही। सीमा के पास भारत में रहने का कोई वैध दस्तावेज नहीं है। भारतीय नागरिकता हासिल करने के लिए युवक और महिला शादी करने के प्रयास में थे।

इसी बीच गौतमबुद्ध नगर कमिश्नरेट पुलिस को इसकी सूचना मिल गई। जैसे ही पुलिस महिला को तलाशने में जुटी महिला, युवक और अपने बच्चों संग टैक्सी में सवार होकर जेवर की ओर फरार हो गई। पुलिस टैक्सी चालक व आसपास के लोगों से पूछताछ कर महिला को तलाश रही है। पता लगाने का प्रयास कर रही है

कि वास्तव में ये मामला प्रेम प्रसंग का है या फिर पबजी पर दोस्ती के बहाने कोई गहरी साजिश तो नहीं रची जा रही है।

एक वकील ने बताया कि रबूपुरा के आंबेडकर नगर निवासी सचिन (22) की कुछ माह पहले पबजी गेम खेलने के दौरान पाकिस्तान की सीमा से पहचान हो गई। गेम खेलने के दौरान ही दोनों ने एक दूसरे का मोबाइल नंबर ले लिया और बातचीत करने लगे। कुछ दिन बाद ही दोनों में गहरी दोस्ती हो गई। सीमा ने युवक को बताया कि वह सिंध प्रांत कराची की रहने वाली है और चार बच्चों की मां है। फोन पर बात और वीडियो कॉलिंग के जरिये दोनों में इतनी निकटता हो गई कि दोनों ने एक साथ रहने का निर्णय ले लिया।

युवक और महिला विवाह करने के प्रयास में जुटे हैं। उधर, इसी बीच गौतमबुद्ध नगर कमिश्नरेट पुलिस को पाकिस्तान से अवैध रूप से महिला के चार बच्चों संग आने की जानकारी लग गई। शुक्रवार शाम से आलाधिकारियों के निर्देश पर कमिश्नरेट पुलिस की टीम मामले की तह तक जाने के लिए महिला और युवक की तलाश में जुटी हैं।

महिला और युवक विवाह करने के लिए कानूनी जानकारी जुटा रहे हैं। जिन वकील आदि से वे जानकारी जुटा रहे थे। उनको महिला के जासूस होने का संदेह हुआ। दरअसल, महिला ने जानकारी दी कि उसका भाई पाकिस्तानी सेना में तैनात है। महिला का पति चार साल से उससे दूर रहता है जबकि जिन चार बच्चों को अपने साथ लेकर आई है। उनकी आयु तीन साल से लेकर आठ साल है। इसके अलावा युवक ने बताया कि वह जल्द से जल्द विवाह की औपचारिकता पूरी इसलिए कराना चाहता है, क्योंकि सीमा उससे कई दिन से बार-बार दिल्ली घूमने की जिद कर रही है। इस तरह की बातों से सीमा के जासूस होने का शक होने पर पुलिस को सूचना दे दी गई। महिला के पास पाकिस्तान का पासपोर्ट और नेपाल का वीजा लेकिन वह एक्सपायर हो चुका है लेकिन महिला के पास भारत में रहने का कोई वैध प्रमाण पत्र नहीं है। ऐसे में एक बार फिर गौतमबुद्ध नगर में विदेशियों के अवैध रूप से रहने के कारण सुरक्षा को लेकर सवाल खड़े हो गए हैं। इस बार यह मामला पाकिस्तान से जुड़ा होने के कारण पुलिस इस बहुत मामले को गंभीरता से ले रही है। महिला के अवैध रूप से कई दिन से रहने के बावजूद अभी तक पुलिस और एलआईयू को इसकी भनक तक नहीं लग सकी है।

पाकिस्तान से महिला के रबूपुरा क्षेत्र में आने की जानकारी मिली है। पुलिस टीम जांच और महिला की तलाश में जुटी है। महिला से पूछताछ और उसके कागजात की जांच के बाद वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

– लक्ष्मी सिंह, पुलिस कमिश्नर गौतमबुद्ध नगर

बदमाशों ने एक इंजीनियर को बंधक बनाकर क्रेटा कार व ज्वैलरी लूट लिया

उनकी आंख पर पट्टी बांधकर उन्हें पीछे की सीट पर बिठा दिया। इसके बाद इंजीनियर को घुमाते रहे। बदमाशों ने उनसे 4500 रुपये कैश, मोबाइल, सोने की चेन व अंगूठी छीन ली।

नोएडा। एक महिला समेत चार बदमाशों ने इंजीनियर को बंधक बनाकर कैश, जूलरी और क्रेटा कार लूट ली। चारों ने इंजीनियर की आंख पर पट्टी बांधकर कई घंटे तक घुमाया। इस बीच पचास हजार रुपये नेट बैंकिंग से ट्रांसफर करा लिए। वहीं, सेक्टर-76 मार्केट के पास हुई इस वारदात में कोतवाली सेक्टर-113 पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली है। पुलिस ने जांच के लिए पांच टीमें गठित कर दी गयी हैं।

सेक्टर-76 स्थित सोसाइटी निवासी अनमोल मित्तल एरिक्शन कंपनी में सॉफ्टवेयर इंजीनियर हैं। शुक्रवार रात करीब साढ़े दस बजे अपनी क्रेटा कार से सेक्टर-76 मार्केट आए थे। मार्केट के पास कार खड़ी कर अनमोल कुछ सामान लेने जाने वाले थे। तभी कार की अगली सीट पर युवती बैठ गई। उसके कार में बैठते ही तीन अन्य लोगों ने उनपर बंदूक तान दी। आरोप है कि चारों ने उनकी आंख पर पट्टी बांधकर उन्हें पीछे की सीट पर बिठा दिया। इसके बाद बदमाश इंजीनियर को घुमाते रहे। रास्ते में बदमाशों ने उनसे 4500 रुपये कैश, मोबाइल, सोने की चेन व अंगूठी छीन ली। बाद में अनमोल से पासवर्ड पूछकर उनके खाते से नेट बैंकिंग के माध्यम से 50 हजार रुपये ट्रांसफर करा लिए। देर रात को उन्हें कोतवाली फेज श्री क्षेत्र में उतारकर चारों बदमाश क्रेटा समेत फरार हो गए। पीड़ित इंजीनियर ने मामले की सूचना पुलिस को दी। घटना की सूचना मिलते ही कोतवाली सेक्टर-113 पुलिस मौके पर पहुंची। डीसीपी हरीश चंदर भी मौके पर जाकर जांच पड़ताल की है। डीसीपी हरीश चंदर का कहना है कि इस मामले में सभी अलग अलग पहलुओं पर जांच की जा रही है। पुलिस की पांच टीमें इस वारदात की जांच कर रही है। उन्होंने यह भी दावा किया है कि जल्द से जल्द ही बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

कार लूटने के बाद घर जाने के लिए 200 रुपये दिए

इस वारदात में एक युवती के शामिल होने की वजह से पुलिस हर एंगल से इस मामले की जांच कर रही है। वहीं, सीसीटीवी फुटेज में एक युवती बोतल से पानी पीती दिखई दे रही है। उसका दूसरा साथी भी उसी के पास में खड़ा दिखाई दे रहा है। वहीं बदमाश इंजीनियर की एक अंगूठी भी नहीं ले गए। बदमाशों ने इंजीनियर की अनमोल की क्रेटा लूटने के बाद उसे घर जाने के लिए 200 रुपये दिए।

हाल के दिनों में सेवेन एक्स सोसाइटी के पास लगातार वारदात हो रही हैं। जिससे सोसाइटी के पास लूट व स्नेचिंग की वारदात भी बढ़ी है। अंडे देने में देरी होने के कारण सोरखा चौकी इंचार्ज समेत दो पुलिसकर्मियों ने एक दुकान में तोडफ़ोड़ कर दी थी।

रेलिंग तोड़कर खाई में गिरी कार, मौत

जेवर। जनपद में यमुना एक्सप्रेसवे पर एक कार रेलिंग तोड़कार खाई में गिर गयी। सुचना के बाद मौके पर पहुंचे टोल के निजी सुरक्षा कर्मियों व पुलिस ने कार में फंसे चालक दीपक को बाहर निकाला और जेवर के कैलाश अस्पताल में भर्ती कराया। जहां पर डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया है।

यमुना एक्सप्रेसवे पर तेज रफ्तार कार रेलिंग तोड़ते हुए खाई में जा गिरी। हादसे में जेवर के चांचली गांव निवासी दीपक गंभीर रूप से घायल हो गए। वहीं देर रात जेवर-टप्पल रोड पर कैलाश अस्पताल के पास अज्ञात वाहन ने हरियाणा के पलवल पहरूका निवासी नन्द किशोर को टक्कर मार दी। जिससे वह गंभीर रूप से दोनों घायलों को निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां डाक्टरों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया।

पुलिस ने बताया कि शनिवार तड़के करीब तीन बजे जेवर के चांचली गांव निवासी दीपक पुत्र राजकुमार अल्टो कार से ग्रेटर नोएडा से आगरा की तरफ जा रहे थे। 38 किलोमीटर

माइलस्टोन पर पहुंचने पर अनियंत्रित होकर कार लोहे की रेलिंग को तोड़ते हुए साइड में लगभग 10 फीट नीचे खाई में जा गिरी।

मौके पर पहुंचे टोल के निजी सुरक्षा कर्मियों व पुलिस ने कार में फंसे चालक दीपक को बाहर निकाला और जेवर के कैलाश अस्पताल में भर्ती कराया। जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। वहीं, शुक्रवार रात हरियाणा के पलवल जिले के चांट थाना क्षेत्र के पहरूका निवासी नंदकिशोर गिर्राज अज्ञात वाहन की टक्कर से घायल हो गया। अस्पताल ले जाने पर डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया है।

सांसद महेश शर्मा पहुंचे राधा स्काई गार्डन सोसाइटी बच्चे को डूबने से बचाने वालों को किया सम्मानित

ग्रेटर नोएडा। भाजपा सांसद दोपहर यहां पहुंचे और पहले सोसायटी के नव निर्मित मंदिर में दर्शन करने के बाद इस कार्यक्रम में हिस्सा लिया। उन्होंने राजन मिश्रा के घर पर जाकर उनके बच्चे और परिवार से मुलाकात की जिसे डूबने से बचा लिया गया था।

ग्रेनो वेस्ट की सोसायटी राधा स्काई गार्डन में शनिवार को सांसद महेश शर्मा ने आयोजित एक कार्यक्रम में सोसायटी में बहादुरी दिखा कर एक बच्चे को डूबने से बचाने वाले निवासियों को सम्मानित किया। सांसद दोपहर यहां पहुंचे और पहले सोसायटी के नव निर्मित मंदिर में दर्शन करने के बाद कार्यक्रम में हिस्सा लिया। उन्होंने राजन मिश्रा के घर पर उनके बच्चे और परिवार से मुलाकात की जिसे डूबने से बचा लिया गया था।

उल्लेखनीय है डॉ. रूपाली गुप्ता, अशोक

पाण्डेय, श्रीमती श्वेता पाराशर एवं श्री अक्षय मेहरा ने स्विमिंग पुल में डूब रहे बच्चे को अंतिम समय में बचा लिया था। डॉ. रूपाली ने बच्चे को सीपीआर भी दिया था। सांसद महेश शर्मा ने इन सभी को सम्मानित किया। महेश शर्मा ने सोसाइटी क्लब हाउस में सोसाइटी के निवासियों की समस्याओं को भी सुना और उनका हल कराने का आश्वासन दिया।

जून माह में बढ़ा लेनदेन, 6792 करोड़ तक पहुंचा ग्राफ

नोएडा। मई माह के मुकाबले जून में बैंकों में लेनदेन बढ़ा है। चलन से बाहर होने के बाद दो हजार के नोटों का बदला जाना इसका कारण बैंक अधिकारी बता रहे हैं। लीड बैंक से जारी दो माह के आंकड़ों के मुताबिक मई माह में जहां 6232 करोड़ का लेनदेन हुआ वहीं, जून माह में बढ़कर 6792 करोड़ रुपये हो गया। 17 करोड़ लेनदेन अकेले जून में हुए हैं। वहीं मई में इसकी संख्या 15 करोड़ तक ही थी। इसके अलावा ऑनलाइन लेनदेन भी बढ़ा है। 3960 करोड़ रुपये का ऑनलाइन लेनदेन हुआ है। यानी कुल राशि का लगभग 55 प्रतिशत हिस्सा ऑनलाइन किया गया है। जिले में 35 बैंकों की 570 शाखाएं संचालित हो रही हैं। एक बैंक में सात से आठ हजार खाते हैं। वहीं, एक शाखा में इनकी संख्या 400 से 500 तक हैं। जिले में 10 लाख बचत खाते तो 2.50 लाख चालू खातों की संख्या है। सबसे अधिक यानी करीब 65 प्रतिशत तक ट्रांजेक्शन चालू खातों से ही हो रहा है। 23 मई से 2000 के नोट बदलने की प्रक्रिया शुरू हो गई थी। लीड बैंक मैनेजर विदुर भल्ला बताते हैं कि जून में दो करोड़ ट्रांजेक्शन अधिक हुई हैं। वहीं लगभग 560 करोड़ रुपये का लेनदेन भी अतिरिक्त हुआ है। सबसे अधिक रुपयों का लेनदेन चालू खातों से हुआ है। ग्राफ को देखते हुए उम्मीद है कि जुलाई माह में अभी यह आंकड़ा और भी बढ़ेगा। सितंबर तक पहुंचते पहुंचते यह पुराने रिकॉर्ड भी तोड़ सकता है। लोगों ने जून माह में सबसे अधिक ऑनलाइन पेमेंट का सहारा लिया है। ऑनलाइन पेमेंट में भी केवल यूपीआई ही लोग पसंद कर रहे हैं। 12 करोड़ ट्रांजेक्शन ऑनलाइन किए गए हैं।

छात्रा की हत्या के मामले में नामजदों के खिलाफ नहीं हुई कार्रवाई, हाई कोर्ट जाएंगे परिजन

बीए तृतीय वर्ष की छात्रा शिव नादर विश्वविद्यालय में पढ़ाई कर रही थी। 18 मई को सहपाठी ने विश्वविद्यालय के सामने बने डायनिंग हॉल के पास छात्रा की गोली मारकर हत्या कर दी थी। उसके बाद खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली थी। छात्रा के पिता ने 25 मई को विश्वविद्यालय प्रशासन, कर्मचारी समेत पांच के खिलाफ दादरी कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई थी।

कार्रवाई नहीं हुई तो खटखटाएंगे हाईकोर्ट का दरवाजा

दादरी। छात्रा की हत्या के बाद खुद को गोली मारकर आत्महत्या करने के मामले में डेढ़ माह बाद भी विश्वविद्यालय समेत अन्य आरोपियों के खिलाफ पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की। परिजनों ने चेतावनी दी है कि अगर दो सप्ताह में पुलिस ने कार्रवाई नहीं की गई तो न्यायालय का दरवाजा खटखटाएंगे।

कानपुर निवासी बीए तृतीय वर्ष की छात्रा शिव नादर विश्वविद्यालय में पढ़ाई कर रही थी। 18 मई को सहपाठी ने विश्वविद्यालय परिसर के सामने बने डायनिंग हॉल के पास छात्रा की गोली मारकर हत्या कर दी थी। उसके बाद खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली थी। वारदात सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई थी। छात्रा के पिता ने 25 मई को विश्वविद्यालय प्रशासन, कर्मचारी समेत पांच के खिलाफ दादरी कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई थी।

छात्रा के चाचा अनिल कुमार चौरसिया का कहना है कि मामले में नामजद रिपोर्ट कराने के बाद भी पुलिस लापरवाही कर रही है। पीड़ित परिवार पुलिस से मिलने के लिए कई बार कानपुर से दादरी भी आए, लेकिन सिर्फ आश्वासन ही मिला। जब भी पुलिस से संपर्क किया जाता है तो बहाना बनाया जाता है कि जुलाई में विश्वविद्यालय के छात्र आएंगे तब बयान लिए जाएंगे। उन्होंने कहा कि अगर 15 जुलाई तक पुलिस मामले में नामजदों के खिलाफ कार्रवाई नहीं करती है तो हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया जाएगा। न्याय मिलने तक चुप नहीं बैठने का संकल्प लिया है। एसीपी सार्थक सेंगर का कहना है कि मामले में जांच चल रही है। दोषी पाए जाने वाले किसी भी आरोपी को बख्शा नहीं जाएगा।

जीवन के लिए संघर्ष कर रहा माधव, नेताओं का भी नहीं पसीजा दिल

ग्रेटर नोएडा। जेवर के निजी अस्पताल में करंट से झुलसकर दोनों हाथ गंवाने वाले मासूम माधव दिल्ली के एम्स में जीवन के लिए मौत से संघर्ष कर रहा है। वहीं हादसे के नौ दिन बाद भी सांसद डॉ. महेश शर्मा, जेवर विधायक धीरेंद्र सिंह या फिर किसी जनप्रतिनिधि का दिल मासूम की हालत देखकर नहीं पसीजा है। किसी नेता ने मासूम व परिजन की मदद करना तो दूर हाल जानने का भी प्रयास नहीं किया है। परिजन न्याय की आस के लिए सरकारी अफसरों के दफ्तरों के चक्कर लगा रहे हैं, लेकिन उन्हें न्याय की उम्मीद नजर नहीं आ रही है। परिजन ने शुक्रवार को मुख्य चिकित्साधिकारी से मुलाकात की। परिजन का कहना है कि उन्होंने यह कहकर टरका दिया कि वह इस मामले में अब कुछ नहीं कर सकते आप पुलिस से मिलिए।

अलीगढ़ के दीवा हामिदपुर निवासी योगेंद्र चौहान के छह साल के बेटे माधव का जेवर के चौधरी मेडिकेयर अस्पताल में 23 जून को हाईटेंशन लाइन के करंट से झुलसने के बाद दोनों हाथ गंवाने पड़े थे। शुक्रवार को योगेंद्र ने बताया कि माधव के दिमाग व शरीर के अन्य अंग में खून पानी बनकर जमा हो गया है। डॉक्टर हर दिन बेटा की जांच कर रहे हैं। ऑपरेशन के संबंध में डॉक्टर एक-दो दिन में निर्णय लेंगे। माधव की जान पर संकट बना हुआ है। इसके बावजूद पुलिस-प्रशासनिक व स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने अब कोई कार्रवाई और मदद नहीं की।

हादसा

बबलू की मौके पर ही मौत हो चुकी थी, राम करण को डॉक्टरों ने अस्पताल में मृत घोषित कर दिया था

फैक्टरी में कंप्रेसर फटने से दो लोगों की हुई मौत, दो घायल

नई दिल्ली। गोकलपुरी इलाके में शनिवार दोपहर कंप्रेसर लगाने के दौरान फैक्टरी में विस्फोट हो गया। हादसे में मैकेनिक के शरीर के चिथड़े उड़ गए, जबकि फैक्टरी के बाहर खड़े ऑटो पर दीवार गिरने से चालक की मौत हो गई। हादसे में दो अन्य लोग भी घायल हो गए, जिन्हें जीटीबी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। लापरवाही से हुई मौत का मामला दर्ज कर पुलिस फैक्टरी व मकान मालिक की तलाश कर रही है।

उत्तरी पूर्वी जिला पुलिस उपायुक्त जॉय टिर्की ने बताया कि मृतकों की शिनाख्त रोहिणी निवासी मैकेनिक बबलू (38) और खजूरी खास निवासी ऑटो चालक राम करण (60) के रूप में हुई है। घायलों की पहचान दीपक (33) और साहिल (22) रूप में हुई है। दोनों के हाथ-पैर बुरी तरह से झुलस गए हैं। गोकलपुर गांव में करीब 150 गज में प्लास्टिक

की बोतल बनाने वाली फैक्टरी में दोपहर करीब 3:30 बजे धमाका होने की सूचना मिली थी। सूचना देने वाले ने बताया था कि फैक्टरी में सिलिंडर फटा है। हादसे में तीन लोग घायल हो गए हैं। दो को अस्पताल ले जाया गया है। मौके पर पुलिस को पता चला कि इमारत में प्लास्टिक मॉल्डिंग की फैक्टरी चल रही थी। बबलू की मौके पर ही मौत हो चुकी थी। राम करण को डॉक्टरों ने अस्पताल में मृत घोषित कर दिया था। शुरुआती जांच में पता चला है कि कंप्रेसर में जोरदार माका हुआ है। इसका इस्तेमाल प्लास्टिक मोल्डिंग मशीन के लिए होता है।

आसपास के लोगों ने बताया कि फैक्टरी मालिक ने कुछ दिन पहले ही मकान को किराये पर लिया था। शनिवार को यहां कंप्रेसर फिट करने का काम चल रहा था। मैकेनिक बबलू को यहां बुलाया गया था। इसी दौरान अचानक जोरदार धमाका हो गया। प्रॉपर्टी का मालिक नरेश है। नरेश ने किसी यादव को हाल ही में मकान किराए पर दिया था। घटना के बाद से ही दोनों आरोपियों के मोबाइल बंद हैं। पुलिस इस बात का पता लगा रही है कि यह फैक्टरी को वैध रूप से चल रही थी कि नहीं। इसके आरोपियों को पकड़ने के लिए कई टीमें गठित की गई हैं।

बबलू परिवार के साथ रोहिणी सेक्टर-22 में रहता था। परिवार में पत्नी दिव्या भारती और आठ साल का बेटा मनन है। बबलू का भाई दुर्गापुरी में रहता है। दो भाई बहादरपुर मुजफ्फरनगर में रहते हैं। बबलू का कंप्रेसर ठीक करने का कारोबार था। उसकी बवाना में एक फैक्टरी है। वह फोन पर लोगों को कंप्रेसर ठीक करने की सर्विस भी देता था। शनिवार दोपहर उसके पास गोकलपुरी इलाके से फोन आया था कि कंप्रेसर खराब है। अचानक कंप्रेसर ठीक करते समय धमाका हो गया। इससे बबलू के शरीर के चिथड़े उड़ गए और एक हाथ अलग होकर काफी दूर जा गिरा। वहीं, दूसरी तरफ माल लेकर जाने का इंतजार कर रहा रामकरण ऑटो में बैठा हुआ था। दीवार उस पर गिरने से वह घायल हो गया। उसे भी इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। घायल साहिल और दीपक को फैक्टरी का कर्मचारी बताया जा रहा है।

गोल्फ कोर्स का विवाद निपटा, हेलीपोर्ट की फाइल फंसी

नोएडा। गोल्फ कोर्स की जमीन विवाद निपटने के बाद काम में तेजी आने के आसार हैं। वहीं, मानकों के आधार पर जांच के बाबत गोल्फ कोर्स की फाइल अटकी हुई है। ऐसे में इसके एजेंसी चयन और काम शुरू होने में और देरी की संभावना है। सेक्टर-151ए में गोल्फ कोर्स और हेलीपोर्ट की योजना प्रस्तावित है। गोल्फ कोर्स का करीब आधा काम हो चुका है, लेकिन जमीन विवाद होने से एक हिस्से का काम रुक गया था। सीईओ का कहना है कि विवाद सुलझा लिया गया है। अब गोल्फ कोर्स के निर्माण की रफ्तार में तेजी आएगी। करीब एक हजार सदस्य बन चुके हैं और 30 से 35 करोड़ रुपये जुटाए गए हैं।

यहां गोल्फ कोर्स के अलावा क्लब, बैंक्वेट हॉल बनाए जा रहे हैं। हेलीपोर्ट तकनीकी बिड खुलने के बाद एक एजेंसी सामने आई। प्रक्रिया के तहत सीईओ के अनुमोदन के बाद फाइल शासन में भेजी जानी है, लेकिन वर्तमान समय में फाइल सीईओ के स्तर पर फंसी हुई है। सीईओ ने मानकों को लेकर कुछ सवाल पूछे हैं।

कांवड़ यात्रा के कारण छह जुलाई से लागू होगा भारी मालवाहक वाहनों के लिए डायवर्जन

– नोएडा–ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेसवे और ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे पर डायवर्ट किए जाएंगे वाहन

– शहर में छिजारसी, सेक्टर–62, चिल्ला बॉर्डर है कांवड़ियों के आने का मुख्य मार्ग

बनेगा

नोएडा। चार जुलाई से सावन माह शुरू हो रहा है। शहर से होकर बड़ी तादाद में कांवड़ियों के गुजरने के कारण दिल्ली और गाजियाबाद से जुड़े मार्गों पर भारी मालवाहक वाहनों के लिए छह जुलाई से डायवर्जन लागू किया जाएगा। विकल्प के तौर पर मालवाहक वाहन चालक नोएडा ग्रेनो एक्सप्रेसवे और ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे से होकर गंतव्य की ओर जा सकेंगे। डायवर्जन प्लान मंगलवार को जारी किया जाएगा।

सावन में हरिद्वार से जल लेकर कांवड़िए लाल कुआं, छिजारसी, सेक्टर-62, चिल्ला बॉर्डर, शनि मंदिर, ओखला पक्षी विहार, कालिंदी कुंज होकर अपने गंतव्य की ओर जाते हैं। इनकी राह आसान बनाने के लिए ट्रैफिक पुलिस ने छह जुलाई से भारी मालवाहक वाहनों के लिए डायवर्जन प्लान तैयार किया है।

प्लान के तहत ओखला पक्षी विहार और कालिंदी कुंज के पुराने पुल का एक हिस्सा वाहनों के लिए बंद कर दिया जाएगा। अभी कालिंदी कुंज से महामाया की तरफ पुराने पुल के दोनों मार्ग पर ट्रैफिक आता है। वहीं चिल्ला बॉर्डर से ओखला पक्षी विहार और कालिंदी कुंज तक जाने वाले रास्ते पर ट्रैफिक बंद करने का निर्णय लिया गया है।

मार्ग से जाने वाले वाहन को फिल्म सिटी, महामाया फ्लाईओवर से होते हुए कालिंदी कुंज जा सकेंगे। ओखला पक्षी विहार प्रवेश रास्ते पर बैरिकेडिंग कर पुलिसकर्मियों की ड्यूटी लगाई जाएगी।

कमांड सेंटर में कांवड़ विंडो

कांवड़ मार्ग पर ट्रैफिक के साथ-साथ सुरक्षा की दृष्टि से नजर रखने के लिए इंटीग्रेटेड कमांड सेंटर में कांवड़ विंडो स्थापित किया जाएगा। यहां 24 घंटे पुलिसकर्मियों की ड्यूटी लगाई जाएगी। मार्ग में कैमरे लगाकर इसे आईटीएमएस से भी जोड़ने की योजना है। अस्थायी पुलिस चौकी व कांवड़ शिविर बनेंगे

ओखला पक्षी विहार के रास्ते पर डीएनडी पुल और चिल्ला बॉर्डर के पास अस्थायी पुलिस चौकी बनाई जाएगी। यहां पर सिविल पुलिसकर्मियों के साथ ट्रैफिककर्मी भी तैनात रहेंगे। वहीं, ओखला पक्षी विहार रास्ते पर दो जगह कांवड़ शिविर लगाए जाएंगे। इसके अलावा शनि मंदिर और डीएनडी पुल के नीचे भंडारा लगाया जाएगा।

दोनों जगह करीब एक हजार कांवड़ियों के ठहरने की व्यवस्था होती है। इनके अलावा नोएडा शहर में ममूरा, छिजारसी समेत अलग-अलग स्थानों पर एक दर्जन कांवड़ शिविर लगाए जाएंगे।

भारी मालवाहक वाहनों के लिए

कांवड़ रूट का जायजा लेकर व्यवस्था बनाने के लिए जरूरी निर्देश जारी कर दिए गए हैं। ओखला पक्षी विहार रास्ते पर ट्रैफिक प्रतिबंधित रखा जाएगा। चिल्ला बॉर्डर और ओखला पक्षी विहार के पास थोड़ी–थोड़ी देर ट्रैफिक रोक कर कांवड़ियों को गंतव्य की ओर निकाला जाएगा।

– प्रीति यादव, डीसीपी ट्रैफिक

संभावित डायवर्जन प्लान

दिल्ली-बदरपुर बार्डर से ओखला बैराज होकर गाजियाबाद, बुलंदशहर-मुरादाबाद जाने वाले भारी वाहन नोएडा-ग्रेनो एक्सप्रेसवे से ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे का प्रयोग करगंतव्य की ओर जाएंगे।

- दिल्ली से डीएनडी होकर नोएडा, गाजियाबाद, बुलंदशहर, मुरादाबाद जाने वाले भारी वाहन नोएडा-ग्रेनो एक्सप्रेसवे से ईस्टर्न पेरिफेरल होकर आगे तक जाएंगे।

- चिल्ला रेगुलेटर से नोएडा, गाजियाबाद, बुलंदशहर, मुरादाबाद जाने वाले वाहन नोएडा-ग्रेनो एक्सप्रेसवे ईस्टर्न पेरिफेरल होते हुए गंतव्य के लिए जाएंगे।

- ओखला पक्षी विहार रास्ता और कालिंदी कुंज के पुराने पुल का एक हिस्सा बंद रहेगा। कावड़ियों के शिविर के आसपास वाहनों को जरूरत के हिसाब से डायवर्ट किया जाएगा।

22 हजार से ज्यादा अभ्यार्थियों ने छोड़ दी परीक्षा

- जिले में दो पालियों में हुई सहायक आयुक्त और अकाउंटेंट पद के लिए परीक्षा

नोएडा। जिले में रविवार को कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) में सहायक आयुक्त और अकाउंटेंट पद के लिए आयोजित परीक्षा 22 हजार से ज्यादा अभ्यार्थियों ने छोड़ दी।

सिर्फ 14077 अभ्यार्थी परीक्षा देने पहुंचे। सभी केंद्रों पर शांतिपूर्ण व नकलविहीन ढंग से परीक्षा आयोजित की गई।

संघ लोग सेवा आयोग की ओर से आयोजित परीक्षा के लिए नोएडा व ग्रेटर नोएडा में 41 केंद्र बनाए गए थे। दो पालियों में परीक्षा हुई।

प्रथम पाली के लिए 17,461 अभ्यर्थी पंजीकृत थे, जिसमें से सिर्फ 6776 अभ्यर्थी ही परीक्षा देने पहुंचे। जबकि 10685 ने परीक्षा छोड़ दी।

वहीं, दूसरी पाली के लिए 19247 अभ्यर्थी पंजीकृत थे, जिसमें से 7301 ने परीक्षा दी और 11946 ने परीक्षा छोड़ दी। जिले में आयोजित पिछली परीक्षाओं में नकलची पकड़े जाने के बाद केंद्रों पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे।

अधिकारियों ने केंद्रों का निरीक्षण किया, ताकि कोई नकल न कर सके। प्रशासन का कहना है कि चेकिंग के दौरान कोई भी नकलची या सॉल्वर नहीं पकड़ा गया है।

एलिवेटेड रोड पर आधी रात को मनाया जन्म दिन, आतिशबाजी

– जन्मदिन मानने का वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस ने चार युवकों को गिरफ्तार किया, कार जब्त

– एक घंटे तक करते रहे हुड़दंग, तेज म्यूजिक बजाकर किया डांस

नोएडा। एलिवेटेड रोड पर शनिवार रात को कार सवार युवकों ने जमकर धमाल मचाया। बीच सड़क पर कार रोककर जन्मदिन मानया। कार के बोनट रखकर 12 केक काटे। इस दौरान सड़क पर जमकर आतिशबाजी की गई। तेज म्यूजिक पर डांस किया।

सोशल मीडिया पर इसका जन्मदिन मनाने का वीडियो वायरल होने के बाद कोतवाली सेक्टर-24 पुलिस ने चार युवकों को गिरफ्तार कर ब्रेजा कार को जब्त कर ली। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान ललित शर्मा, दीपक पटेल, शेखर चौधरी और तरुण शर्मा के रूप में हुई है।

शनिवार आधी रात को सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल हो गया। वीडियो में चार युवक नोएडा के एलिवेटेड रोड पर ब्रेजा कार के बोनट पर 12 केक रखकर काटते और आतिशबाजी करते नजर आ रहे थे। वीडियो में चारों एलिवेटेड रोड पर जमकर डांस करते दिख रहे हैं।

वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू की। जांच में चला कि एलिवेटेड रोड पर दो कारे खड़ी कर केक काटा गया था। केक पर रिंकू लिखा हुआ था। करीब एक घंटे तक युवक सड़क पर हुड़दंग करते रहे।

जन्मदिन मनाने के बाद युवक कूड़े को सड़क पर छोड़कर चले गए। नोएडा जोन के एडिशनल एसपी शक्ति मोहन अवस्थी ने बताया कि मामले में चार युवकों को गिरफ्तार कर कार जब्त कर ली गई है।

मरीज तड़पते रहे और दवाओं के नाम पर हो गया लाखों का खेल, दम तोड़े मरीज

नोएडा। कोरोना महामारी की दूसरी लहर में लोग तड़प-तड़पकर दम तोड़ते रहे और दवाओं के सौदागर आपदा में अवसर तलाशते रहे। दवाओं की खरीद में फर्जीवाडे.का ऐसा ही मामला दो साल बाद सामने आया है। नोएडा के कोविड अस्पताल में जिन दवाओं को खरीदने के ऑर्डर जून 2021 में हुए थे। एक साल बाद कागजों में उन दवाओं की खरीदारी दिखाई गई।

मामले में लाखों रुपये के बिल बनाकर स्वास्थ्य निदेशालय भेज दिए गए। दवाओं की खरीद में गड़बड़ी के संकेत मिलने पर मामले की जांच शुरू हो गई है। यह फर्जीवाडा.11 लाख रुपये से ज्यादा का बताया जा रहा है। संदेह के घेरे में अस्पताल के कई कर्मचारी आ गए हैं।

मामला जून 2021 का बताया जा रहा था जब कोरोना की दूसरी लहर अपने पीक पर थी। सांसों पर गहराते संकट के बीच देशभर में दवाओं के लिए मारामारी मची हुई थी। उस समय नोएडा के कोविड अस्पताल प्रशासन की तरफ से पीपीई किट, मास्क, सिरिंज, पेरासीटामॉल सहित जरूरी दवाओं की खरीद के लिए ऑर्डर तैयार किया गया था। इस ऑर्डर के आधार पर दवाओं की खरीद तो नहीं हुई, लेकिन ऑर्डर बनाने वाले अधिकारी का जुलाई में तबादला हो गया। सूत्रों के अनुसार इस ऑर्डर के आधार पर सालभर बाद 2022 में दवाओं की खरीद के बिल बनाकर निदेशालय भेजे गए। बिलों के आधार पर 11 लाख रुपये से ज्यादा का बजट स्वीकृत भी हो गया। इस बीच गड़बड़ी के संकेत मिलने पर शासन ने जांच टीम गठित कर दी। मेरठ मंडल में तैनात अतिरिक्त निदेशक स्वास्थ्य के नेतृत्व में तीन सदस्यीय कमेटी एक सप्ताह से इस फर्जीवाडे.की जांच में जुटी है।

फार्मासिस्ट से लेकर डॉक्टर तक रडार पर

इस मामले में अस्पताल के पूर्व चीफ फार्मासिस्ट और कोविड अस्पताल के नोडल अधिकारी के बयान दर्ज किए गए हैं। पूर्व चीफ फार्मासिस्ट का तबादला मथुरा जिले में हो चुका है।

5 लाख का वीआईपी नंबर बिका 2.39 लाख में

नोएडा। डीयू सीरीज का 0001 नंबर एक माह बाद 2.39 लाख रुपये में बिक गया। जबकि इसके लिए 15.39 लाख रुपये बोली लगाई गई थी। नंबर दिनेश त्यागी ने खरीदा है। इसके लिए 12 लोगों ने बोली लगाई गई थी। सबसे अधिक 15.39 लाख की बोली लगाने वाले ने अपने हाथ पीछे खींच लिए। बोली 9.82 लाख की रह गई। बोली लगाने वाले के फिर पीछे हटने के बाद इसकी बोली 6.6 लाख रुपये की रह गई। करीब एक माह के दौरान बोली धीरे-धीरे घटकर यह 2.39 लाख रुपये तक रह गई। बोली लगाने वाले 12 में से 11 के पीछे हटने के बाद दिनेश त्यागी को यह नंबर दे दिया गया। अहम है कि परिवहन विभाग ने 348 नंबरों को वीआईपी श्रेणी में रखा है।

सूप में मकड़ी निकलने पर मॉल में हंगामा

ग्रेटर नोएडा। बीटा-2 थाना क्षेत्रस्थित ओमेक्स मॉल के रेस्तरां में सूप में मकड़ी निकलने पर हंगामा मच गया। परिवार की महिला ने सूप के सेवन से पति और बेटी की तबीयत खराब होने की शिकायत पुलिस से कर दी।

पुलिस मौके पर पहुंच कर जांच पड़ताल में जुट गई। सिल्वर सिटी टू सोसाइटी निवासी अरविंद मौर्य पत्नी और बच्चों के साथ रविवार रात ओमेक्स मॉल में गए थे। इस दौरान अरविंद परिवार समेत रेस्तरां में खाना खाने लगे।

यहां पर सूप का सेवन करने के बाद परिवार को पता लगा कि सूप में मकड़ी है। इस पर परिवार में हंगामा शुरू कर दिया और पुलिस को सूचना दे दी।

महिला का कहना है कि मौके पर पहुंची पुलिस रेस्तरां संचालक के माफी मांगने पर मामला निपटाने की बात कर रही थी। जबकि सूप के सेवन से उनके पति और बेटी की तबीयत खराब हो रही थी।

पुलिस पर फायरिंग कर भाग रहे सुंदर भाटी गिरोह के तीन गिरफ्तार

घंघोला गांव के सत्ते और दिल्ली के बिल्लू फौजी को लगी गोली

आरोपियों के पास से पिस्टल, तमंचा और इनोवा कार बरामद

ग्रेटर नोएडा। दनकौर क्षेत्र में पुलिस टीम पर फायरिंग कर भागे सुंदर भाटी गिरोह के तीन बदमाशों को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया गया। शनिवार देर रात ईकोटेक-1 थाना क्षेत्र में हुई मुठभेड़ में घंघोला गांव निवासी सत्ते और दिल्ली निवासी बृजेश कुमार उर्फ बिल्लू फौजी पैर में गोली लग गई। वहीं तीसरे बदमाश को इलाहाबास गांव निवासी प्रिंस खारी को पुलिस ने घेराबंदी कर गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों के कब्जे से इनोवा कार, पिस्टल, तमंचा और कारतूस बरामद हुए हैं।

डीसीपी ग्रेटर नोएडा जोन साद मियां खान ने बताया कि शनिवार को दनकौर पुलिस चेकिंग कर रही थी। रात में पुलिस ने इनोवा कार को रोकने का प्रयास किया। रुकने के बजाय इनोवा सवार पुलिस टीम पर फायरिंग करते हुए भागने लगे। ईकोटेक-1 थाना पुलिस और स्वाट टीम ने बदमाशों की कार को गौतमबुद्ध विश्वविद्यालय चौराहे के पास घेर लिया। बदमाशों ने वहां भी पुलिस पर फायरिंग की। जवाबी कार्रवाई में दोनों बदमाशों को पैर में गोली लगी। घायल बदमाशों को पुलिस ने अस्पताल में भर्ती कराया। जबकि प्रिंस खारी से पूछताछ की जा रही है। ईकोटेक-1 थाना प्रभारी ने बताया कि आरोपियों के खिलाफ दर्ज केसों की दिल्ली आदि से जानकारी जुटाई जा रही है। आरोपी सुंदर भाटी के इशारे पर क्षेत्र में रंगदारी वसूलते थे। आरोपी सुंदर भाटी का डर दिखाकर रंगदारी का नेटवर्क चला रहे थे।

रणदीप भाटी के परिवार को सता रहा एनकाउंटर का डर

ग्रेटर नोएडा। वेस्ट यूपी के गैंगस्टर अनिल दुजाना के एनकाउंटर में मारे जाने के बाद शासन की लिस्ट में शामिल माफिया गैंगस्टर रणदीप भाटी के परिवार को भी डर सताने लगा है। रणदीप भाटी की पत्नी ने मानवाधिकार आयोग को पत्र लिखकर पति और जेठ कुलवीर भाटी की सुरक्षा की मांग की है। रिठौरी गांव निवासी रणदीप भाटी की पत्नी ने मानवाधिकार आयोग को भेजे पत्र में कहा है कि हाल ही में उसके पति आदि पर जारचा थाने में केस दर्ज किया गया है। केस में चमन भाटी हत्या केस के गवाहों को धमकी देने का आरोप लगाया गया है। जबकि इस केस में गवाही हो चुकी है।

खरीदारों को मिल रही है बिल्डरों की गलती की सजा

ग्रेनो वेस्ट के एक मूर्ति गोल चक्कर पर फ्लैट खरीदारों ने किया प्रदर्शन

ग्रेटर नोएडा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से आश्वासन मिलने के बाद भी ग्रेनो वेस्ट के फ्लैट खरीदारों ने रविवार को एक मूर्ति गोल चक्कर पर प्रदर्शन किया। खरीदारों ने फ्लैटों की रजिस्ट्री कराने के साथ बिल्डरों पर कार्रवाई करने की मांग की। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि बिल्डरों की गलतियों की सजा खरीदार भुगत रहे हैं। वहीं खरीदारों ने बैठक कर मुख्यमंत्री के साथ वार्ता पर चर्चा कर आगे की रणनीति तैयार की।

नेफोवा के अध्यक्ष अभिषेक कुमार ने बताया कि ग्रेनो वेस्ट के फ्लैट खरीदार पिछले छह माह से लगातार रजिस्ट्री की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रहे हैं। इस बीच दो बार मुख्यमंत्री से मुलाकात हो चुकी है। हाल ही में हुई वार्ता में मुख्यमंत्री ने जल्द रजिस्ट्री करने की बात कही थी। इस मौके पर चंदन सिन्हा, महेश यादव, अनुपमा मिश्रा, विभूति, पुरुषोत्तम कुमार, शशांक माहेश्वरी, सीवी सिंह ने कहा कि जिन खरीदारों को कब्जा मिल चुका है उनकी जल्द से जल्द रजिस्ट्री होनी चाहिए। साथ ही जब तक अधूरे प्रोजेक्ट में काम शुरु नहीं होगा। तब तक हर रविवार खरीदार यहां प्रदर्शन करते रहेंगे। प्रदर्शन करने के दौरान खरीदारों ने सरकार से पूछा है कि बिल्डरों की गलतियों की सजा उनको क्यों मिल रही है। प्रदर्शन में दिनकर कुमार, अनिल रात्रा, प्रभास, शशि भूषण, राजकुमार, अशोक श्रीवास्तव, अभिषेक जैन, हिमांशु सक्सेना, सचिन सिंह, ज्योति जायसवाल, योगेश देवगन, संजय शाह, एसपी गुप्ता, दीपक गुप्ता, विकास, आशुतोष, अमित समेत अन्य खरीदार मौजूद रहे।

ग्राहक को लेकर हुए झगड़े में हुई थी किन्नर की हत्या

ग्राहक छात्रों की कार में की थी हत्या, दोनों से हो रही पूछताछ

नई दिल्ली। अपराध शाखा ने प्रशांत विहार थाना इलाके में सुल्तानपुरी निवासी किन्नर नवीन उर्फ खुशी (26) की 29 जून को हुई हत्या की गुत्थी को सुलझा लिया है। कुछ साल पहले लिंग परिवर्तन करवाकर खुशी अनैतिक कार्य करने लगी थी। ग्राहक को लेकर हुए झगड़े में रेशमा खान उर्फ सीमा खान ने प्रेमी मयूर मलिक के साथ ग्राहक की कार में चाकू घोंपकर खुशी की हत्या कर दी थी। पुलिस ने रेशमा व मयूर को गिरफ्तार कर लिया है। वहीं, खुशी के शव को जापानी पार्क के पास फेंकने वाले कार सवार दो छात्रों को भी पुलिस ने पकड़ लिया है।

अपराध शाखा के विशेष पुलिस आयुक्त रविंद्र सिंह यादव के अनुसार, जापानी पार्क, रोहिणी के गेट नंबर-3 के पास खुशी का शव मिला था। अपराध शाखा की उत्तरी रेंज-दो में तैनात इंस्पेक्टर संदीप तुषीर की टीम मामले की जांच कर रही थी। जांच में पता लगा कि कुछ वर्ष पहले नवीन ने लिंग परिवर्तन करवाया था। एसआई संजीव गुप्ता, एसआई योगेश दहिया की एसआई सतेंद्र दहिया की विशेष टीम ने करीब 200 सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों की पहचान मयूर मलिक व सहमति संबंध में रहने वाली जी-ब्लॉक सेक्टर-16, रोहिणी निवासी रेशमा के रूप में की। फुटेज में दोनों घटनास्थल के पास घूमते हुए दिखाई दिए। इसके बाद टीम ने दोनों को गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों ने पूछताछ में बताया कि रेशमा व खुशी बीएसए अस्पताल, रोहिणी के पास ग्राहक दो छात्रों से मिलीं थीं। दोनों में पैसे को लेकर झगड़ा हो गया था। इस पर खुशी ने रेशमा की लात-घूंसों से पिटाई कर दी थी। इसके बाद वह दोनों छात्रों की बलेनो कार में बैठकर फरार हो गई। मौके पर बाइक के साथ खड़े मयूर के साथ रेशमा ने कार का पीछा किया और जापानी पार्क के पास कार को ओवरटेक कर रोक लिया। इसके बाद दोनों ने चाकू से खुशी पर तीन वार कर दिए।

छात्रों ने शव को जापानी पार्क के पास फेंका

खुशी के दोनों ग्राहक छात्र हैं और उम्र 20 व 21 वर्ष हैं। एक छात्र बीटेक कर रहा है। आरोपियों ने जब कार में खुशी की हत्या कर दी तो दोनों घबरा गए। दोनों ने वारदात व शव के बारे में पुलिस को नहीं बताया। इसके बाद शव को जापानी पार्क के पास ले गए और गेट नंबर-3 के पास फेंक दिया। पुलिस ने दोनों छात्रों को पकड़ लिया है। हालांकि, छात्रों का कहना है कि उन्होंने कैट्स को फोन किया था।

मयूर पर तीन मामले पहले से दर्ज

आरोपी मयूर के खिलाफ रानी बाग थाने में एक व केएन काटजू मार्ग थाने में दो मामले दर्ज हैं। मयूर डेढ़ वर्ष से रेशमा के साथ सहमति संबंध में रह रहा है। मूलरूप से मध्यप्रदेश निवासी रेशमा की वर्ष 2012 में महेंद्र शर्मा से शादी हुई थी। रेशमा काफी समय ये नौ वर्ष के बेटे व पति से अलग रह रही है।

दरोगा से हेलमेट लगाने की बात पूछने पर युवक को हिरासत में लेकर पीटा

वीडियो बनाते युवक का मोबाइल छीनने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल, डीसीपी सेंट्रल नोएडा ने एसीपी तृतीय को सौंपी मामले की जांच

युवक ने दूसरे मोबाइल से थाने में हुए घटना की ऑडियो रिकार्ड कर ली। इससे पुलिसकर्मियों के गाली गलौज कर युवक को धमकाने की आवाज सुनाई दे रही हैं।

ग्रेटर नोएडा। ईकोटेक-3 थाना क्षेत्र के तैनात एक दारोगा से हेलमेट क्यों नहीं लगाया पूछना भारी पड़ गया। दारोगा ने वीडियो बना रहे आयुष विश्वकर्मा का मोबाइल छीन लिया। मोबाइल छीनने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है।

आरोप है कि पुलिसकर्मियों ने युवक को थाने में ले जाकर बुरी तरह पीटा। उस पर शांति भंग की कार्रवाई की गई है। पीड़ित ने जमानत कराने के बाद अधिकारियों से शिकायत कर कार्रवाई की मांग की है।

इस मामले में डीसीपी सेंट्रल नोएडा ने एसीपी तृतीय सुमित शुक्ला को जांच सौंपी है।

हल्दोनी मोड़ पर रहने वाले कपड़ा व्यापारी रवि के बेटे आयुष (19) का कुछ दिन पहले हेलमेट नहीं लगाने पर पुलिसकर्मियों ने चालान किया था। आयुष ने पुलिस को दी गई शिकायत में कहा है कि 29 जून को वह घर से निकला था।

रास्ते में बाइक पर दो पुलिसकर्मी जाते हुए दिखे। दोनों ने हेलमेट नहीं लगाया था। आयुष ने दोनों पुलिसकर्मियों से हेलमेट नहीं लगाने की बात पूछी। यह सुनकर पुलिसकर्मी भड़क गए और आयुष का मोबाइल छीन लिया।

आयुष मोबाइल से वीडियो बना रहा था। इससे फुटेज मोबाइल में कैद हो गई। आरोप है कि युवक को कोतवाली में ले जमकर पीटा और हथकड़ी लगा दी।

इस दौरान युवक ने दूसरे मोबाइल से थाने में हुए घटना की ऑडियो रिकार्ड कर ली। इससे पुलिसकर्मियों के गाली गलौज कर युवक को धमकाने की आवाज सुनाई दे रही हैं।

डीसीपी अनिल यादव का कहना है कि इस मामले में एसीपी-3 को जांच दी गई है। जांच के बाद कार्रवाई की जाएगी।

मेट्रो से नोएडा में केवल एक ही शराब की बोतल ले जाने की अनुमति

आबकारी विभाग ने कहा यूपी में नहीं लागू होंगे दिल्ली मेट्रो के नियम

आबकारी विभाग ने स्पष्ट कर दिया है कि पुराने नियमों के तहत यूपी की सीमा में केवल एक सीलबंद बोतल लाई जा सकेगी।

नोएडा। दिल्ली मेट्रो के बोतलबंद शराब को लेकर जारी किए गए नियम उत्तर प्रदेश में नहीं लागू होंगे। यूपी आबकारी विभाग ने स्पष्ट कर दिया है कि पुराने नियमों के तहत यूपी की सीमा में केवल एक सीलबंद बोतल लाई जा सकेगी।

मेट्रो हो या सड़क मार्ग प्रदेश की सीमा में इससे ज्यादा बोतल लाने पर कार्रवाई की जाएगी। राजस्व के नुकसान का हवाला देते हुए प्रदेश सरकार ने यह फैसला किया है। दरअसल शुक्रवार को दिल्ली मेट्रो की ओर से एकसाथ दो सीलबंद बोतल ले जाने की अनुमति दी गई थी।

अहम है कि दिल्ली के अलावा, डीएमआरसी का नेटवर्क हरियाणा में गुरुग्राम और फरीदाबाद और उत्तर प्रदेश में नोएडा और गाजियाबाद जैसे नजदीकी शहरों तक है।

जिला आबकारी अधिकारी सुबोध श्रीवास्तव ने बातया कि शुरुआत में मेट्रो स्टेशनों पर निगरानी बढ़ाई जाएगी।

यूपी के बाहर से लाई गई सीलबंद शराब की बोतलों के साथ पकड़े जाने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। यात्रियों को असुविधा से बचाने के लिए यूपी में उत्पाद शुल्क नियमों के बारे में लोगों में जागरूकता भी बढ़ाई जाएगी।

इससे पहले कई मौकों पर, सड़क के रास्ते दिल्ली से नोएडा में सीलबंद शराब की बोतलें लाने वाले लोगों को गिरफ्तार किया गया है। सोमवार से दिल्ली बॉर्डर पर पुलिस की निगरानी बढ़ा दी जाएगी।

साहित्यिक हलचल

अंतरात्मा का जंतर मंतर का लोकार्पण समारोह, अनूप जी ने साहित्य जगत में व्यंग्य को मान दिया, प्रतिष्ठा दी: सुभाष चन्दर

लखनऊ। माध्यम साहित्यिक संस्थान द्वारा वरिष्ठ व्यंग्यकार अनूप श्रीवास्तव की सद्य प्रकाशित व्यंग्य संग्रह अंतरात्मा का जंतरमंतर के लोकार्पण समारोह में प्रसिद्ध व्यंग्यकार और आलोचक सुभाष चंदर ने कहा कि अनूप जी ने व्यंग्य का मान बढ़ाया है। उसे प्रतिष्ठा दी है उनका व्यंग्य बैठे ठाले का व्यंग्य नहीं है। उनके लिए व्यंग्य विद्रूपों से लड़ने का हथियार है। अंतरात्मा का जंतर मंतर की व्यंग्य रचनाएँ गम्भीर सरोकारों की अभिव्यक्ति का माध्यम है।

जनोन्मुखता उनका सबसे बड़ा गुण है। यही कारण है उनकी रचनाएं पढ़कर पाठक तिलमिलाता है। आक्रोशित होता है। करुणा से भर जाता है। अंतरात्मा का जंतर मंतर की व्यंग्य रचनाएं इस कसौटी पर खरी उतरती हैं। उन्होंने कहा अनूप जी के व्यंग्य का कैनवस बहुत विशाल है।

राजनीतिक विद्रुपों पर उनकी दृष्टि तो है ही, इसके अलावा वे अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य,सामाजिक चेतना, साहित्यिक, आर्थिक, धार्मिक आदि विषयों से जुड़ी विसंगतियों पर भी शरसंधान करते हैं।

इनकी कृति सरोकारों के स्तर पर बेहद समृद्ध है और पाठकों से पढ़े जाने की मांग करता है। इस अवसर परअलीगंज पत्रकार कालोनी में आयोजित लोकार्पण समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित व्यंग्य आलोचक सुभाष चन्दरका सारस्वत सम्मान हुआ। उन्हें माध्यम की ओर से परसाई सम्मान एवम अंग वस्त्रम, पुष्प से नवाजा गया। उनके साथ ही वरिष्ठ व्यंग्यकार राजेन्द्र वर्मा और युवा व्यंग्यकार अलंकार रस्तोगी का भी सम्मान किया गया।

वरिष्ठ पत्रकार और व्यंग्य लेखक अनूप श्रीवास्तव व्यंग्यकार आलोक शुक्ल, प्रसिद्ध साहित्यकार और कथाकर्मी संजीव जायसवाल संजय ने उनका सारस्वत सम्मान किया। उन्होने उनके साहित्यिक अवदान की चर्चा की। अनूप जी के व्यंग्यसंग्रह अंतरात्मा की आवाज़ की चर्चा करते हुए राजेन्द्र वर्मा ने कहा अनूप जी के साहित्यिक अवदान से सभी परिचित हैं।

संजय जायसवाल ने स्वतन्त्र भारत अखबार में कई दशकों में छपे उनके लोकप्रिय कालम 'काँव काँव' को पढ़कर हमारी पूरी पीढ़ी बड़ी हुई है। आलोक शुक्ल ने अनूप जी के संस्मरणो की चर्चा करते हुए अट्टहास पत्रिका की अंतरराष्ट्रीय लोकप्रियता की चर्चा की। अलंकार रस्तोगी ने अनूप जी को युवा रचनाकारों को व्यंग्यमन्च पर प्रतिष्ठित करने का श्रेय देते हुए कहा उन्होंने लखनऊ को व्यंग्य की राजधानी बना दिया।

वरिष्ठ पत्रकार शबाहत विजेता ने माध्यम से लंबे जुड़ाव की चर्चा की। प्रख्यात व्यंग्य लेखिका वीना सिंह और इंद्रजीत कौर ने कहा अनूप जी ने अट्टहास के द्वारा न केवल युवा व्यंग्यकारों को सशक्त मंच दिया है और सामाजिक सरोकारों से व्यंग्य को लोकप्रिय बनाने की महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

इस अवसर पर दिल्ली की युवा कवयित्री रश्मि अग्रवाल की काव्य कृति धूप की गुनगुन हमे दो, इंद्रजीत कौर के व्यंग्यसंग्रह,चुप्पी की चतुराई प्रसिद्ध युवा कथाकार एवम व्यंग्य की समर्थ लेखिका वीना सिंह के व्यंग्य संकलन भांति भांति के चमचे' का लोकार्पण भी हुआ।

अनूप जी ने अपने लेखन और व्यंग्य के लिए समर्पित रचनाकारो की चर्चा की। इसके पश्चात आलोक शुक्ल, राजेंद्र वर्मा, संजीव जायसवाल संजय, शबाहत हुसैन, अलंकार रस्तोगी, सुश्री इंद्रजीत कौर, सुश्री वीना सिंह, डॉ.शिव प्रकाश, श्रीमती मंजू श्रीवास्तव आदि ने लघु व्यंग्य पाठ भी किया।

सुभाष चन्दर जी को अट्टहास हास्य व्यंग्य मासिक में पिछले वर्षो मेंउनके प्रकाशित व्यंग्य लेखों और हास्य कहानियों के अंक भी भेंट किये गए। एक लंबे अरसे बाद लोकार्पण समारोह के बहाने यह एक सुखद व्यंग्य सन्ध्या थी।

ऋतु जोशी, कोटा (राजस्थान)

मुझे अच्छा लगेगा

मै तो आई हूं कई बार
तेरी बनाई हदों के पार
अपने प्रेम के पुल से
इक बार जो तू भी
मुझसे मिलने की इच्छा जताए
तो मुझे अच्छा लगेगा ..

मैंने तो निभाए हैं
तेरे गढ़े सब अनुबंध, प्रतिबंध
तेरे प्रेम को पाने के लिये
तू भी कभी प्रेम की रीत निभाए
तो मुझे अच्छा लगेगा ..

न जाने कितनी रातें कटीं हैं बेचैन
तेरी याद में करवटें बदलते हुए
तू भी कोई एक रात
मुझे सोचते हुए बिताए
तो मुझे अच्छा लगेगा ..

मैं जो जताऊँ और बताऊँ वो
तो खूब समझता है तू
कभी जो मेरी खामोशियाँ पढ़ पाए
तो मुझे अच्छा लगेगा..

तेरी इक शिकन पर गुजरता है
मेरा पूरा दिन फिक्र में
तेरी बातों में भी कभी मेरा जिक्र आए
तो मुझे अच्छा लगेगा..

हर कोई कहता रहता है मुझसे
तेरे प्रेम नें कितनी दिवानी हूं मैं
कभी तू भी मेरे प्रेम में दिवाना कहलाए
तो मुझे अच्छा लगेगा ..

प्रतिभा इन्दु, भिवाड़ी राजस्थान

पहचान पिता हैं

अंदर के अभिमान पिता हैं,
सुयश, प्रतिष्ठा, शान पिता हैं,
जीवन के इस रंगमंच पर,
मेरी तो पहचान पिता हैं!

जब धरती पर आँखें खोली,
तुतलाती थी मेरी बोली,
कभी गोद में मुझे उठाया,
उँगली धर चलना सिखलाया!
इस दिल के अरमान पिता हैं !
मेरी तो पहचान पिता हैं !

बाहों में ले मुझे झुलाया,
नव - जीवन का पाठ पढ़ाया,
झूठ बोलना नहीं सिखाया,
सदा सत्य - पथ ही दिखलाया!
दिव्य गुणों का खान पिता हैं !
मेरी तो पहचान पिता हैं !

करो बंदना , नित कर जोड़ो,
कभी पिता का दिल मत तोड़ो,
ईश्वर तो बैठे हैं नभ में,
पिता रूप ले आये जग में!
चंद्र, गगन, दिनमान पिता हैं!
मेरी तो पहचान पिता हैं!

है गौरव, हूँ अंश तुम्हारा,
मिला आपसे सदा सहारा,
भूतल का वो श्रेष्ठ , प्रवर - नर,
देव , नक्षत्रों से भी ऊपर!
धरती पर भगवान पिता हैं!
मेरी तो पहचान पिता हैं !

लघुकथा: टीगार्ड

वीरेंद्र बहादुर सिंह, नोएडा।

जेल से छूटा युवक आग बरसती उस दोपहर को किसी छाया वाले वृक्ष की तलाश में चला जा रहा था। तभी सड़क किनारे एक पार्क मिला। वह आराम करने के लिए पार्क में एक पेड़ की छाया में बैठ गया। उस पेड़ को उसने टीगार्ड के बीच फंसा देखा तो परेशान हो गया।

उसने तुरंत उस पेड़ को टीगार्ड से मुक्त किया।

सोशल मीडिया का छलावा ज़माना

जानभी चौधुरी, बालेश्वर, ओड़िशा

जी हाँ, आज कल सोशल मीडिया का ज़माना है, जिसके बिना सायद इंसान जी नहीं सकता है। पानी के बिना भले ही जी लें, मगर इंटरनेट या सोशल मीडिया के बिना जीना बड़ा ही दूभर है। ये भी नहीं कहा जा सकता कि सोशल मीडिया ज़रूरी नहीं है, मगर ज़रूरी से जब ज़रुरत बन जाए और ज़रुरत से आदत तो ये सिर्फ़ क्षति ही पहुंचाता है। और तन, मन पर निर्भर करता है, मन अशांत तो तन भी बिगड़ने लगता है।

कुल मिला कर ज्यादा से ज्यादा 16 लाख साइबर क्राइम केसेस, भारत में होते देखा गया था 2020 में , और उसमे से 32,000 FIRs है। और अब 33 अरब लोग हर दिन साइबर क्राइम के शिकार होते हैं। साइबर क्राइम हर साल बढ़ती ही जा रही है, सतर्क रहे, ये बहुत हानिकारक है। 4 जून में राजस्थान, में देखा गया है, की एक अपराधी, एक अंतबस्त्र के कंपनी से, 15 लाख लड़कियों के निजी जानकारी को निकालता है, जिसमें ईमेल था, पता था और लड़कियों के अंतबस्त्र के माप थे।

कुछ दिन तक कारवाही चलती रही कुछ जानकारी भी मिली उसे, वह पकड़ा गया। मगर सतर्क रहना बेहद ज़रूरी है। और हमारे सरकार को भी इसके लिए कड़ी से कड़ी नियम बनाने की आवश्यकता है। ताकि लड़कियां हर क्षेत्र में सुरक्षित रहें।

आज कल सोशल मीडिया के ज़रिये रिश्ता रखा जाता है। रिश्तों का मोल अब सोशल मीडिया में बंधके रह गया है। दिखावा करना और रिश्तों का प्रेम सिर्फ चेट्स तक रहना आज कल का फैशन हो गया है। न कभी हालचाल पूछते हैं, न ही कभी याद करते हैं, अब अपने बेगाने होते जा रहे हैं और पराये अपनो का फर्ज अदा पूरा कर रहे हैं।

धर्म का प्रचार कर, ग़लत राय बनाके, ग़लत आरोप लगाके, बदनाम करने की कोशिश करते हैं। जिसको अपना मानते हो वही आखिर में आपको डस्ते हैं। धर्म तो बहाना है, निजी दुश्मनी जो निकालना है। ऐसे लोगों से, ऐसे ज़हरपन से कोसों दूर रहना चाहिए, इसलिए नहीं की हम डर रहे हैं, बल्कि इसलिए क्यों की ीता समय वापस नहीं लौटता है और ऐसे लोगों के साथ ऐसे बातों पर वक़्त जाया करना फिजूल है।

आचरण और चरित्र गंगा पानी सा रखो कि कोई और पानी भी आए तो वह भी साथ में घुल जाए। बहुत लोग ऐसे भी हैं, जो खुद को अपना बताके आपसे जलते रहते हैं, और योजना बनाते हैं, कैसे इसका नाम खराब किया जाए। तब समझियेगा की सही माईने में आप कामयाब हुए हैं, तभी कोई आपसे जल रहा है।

रिश्ता अगर दिखावे से बढ़के दिल से हो तो, उसे ज़्यादा खूबसूरत और कुछ भी नहीं और रिश्ता अगर दिल से न होके नाम और काम से हो तो वह सिर्फ़ ज़रुरत तक ही आपको पूछते हैं। सोशल मीडिया ज़रूरी है, ज़रुरत नहीं।

बाजार में मौजूद हैं नौ तरह की हेयर ब्रश, कौनसी रहेगी बेहतर

अगर आपको लगता है कि कंघी भले ही कोई भी हो वह सिर्फ बालों को संवारने के ही काम आती है, तो ऐसा बिल्कुल भी नहीं है। अगर बालों की बनावट के अनुसार कंघी का इस्तेमाल किया जाए तो उससे बालों को संवारने के साथ-साथ कई तरह के लाभ मिल सकते हैं। अगर आप अपने बालों के लिए कंघी के चयन को लेकर उलझन में हैं तो आइए हम आपको नौ तरह की कंघी और उनकी विशेषताएं बताते हैं।

पैडल हेयर ब्रश और राउंड हेयर ब्रश

पैडल हेयर ब्रशः लंबे और सीधे बालों के लिए इस कंघी का चयन करना अच्छा रहेगा। यह बालों को जल्दी सुलझाती है। घुंघराले और वेवी बाल वाले भी इस कंघी का इस्तेमाल कर सकते हैं।

हालांकि, अगर आपके घने बाल हैं तो नायलॉन या सिंथेटिक ब्रिसल्स वाला ही पैडल हेयर ब्रश चुनें। राउंड हेयर ब्रशः वेवी बालों के लिए यह कंघी एकदम सही है, जो बालों में वॉल्यूम और बाउंस जोड़ता है। यह बाजार में विभिन्न आकारों में उपलब्ध है।

टीजिंग हेयर ब्रश और चौड़े दांतों वाली कंघी

टीजिंग हेयर ब्रशः यह हर तरह के बालों के लिए बेहतरीन है। इससे बालों का वॉल्यूम बढ़ा हुआ दिखता है और इसके पॉइंट-एंडेड हैंडल की मदद से बालों को अलग करने में मदद मिलती है। हालांकि, अगर आपके बाल कमजोर हैं तो इस कंघी के इस्तेमाल से बचें। चौड़े दांतों वाली कंघीः यह कंघी सभी प्रकार के बालों के लिए बेहतर है। खासकर, गीले बालों को टूटने से बचाने के लिए यह कंघी सबसे अच्छी होती है।

डिटैंगलर हेयर ब्रश और रेट-टेल हेयर ब्रश

डिटैंगलर हेयर ब्रशः यह कंघी भी सभी प्रकार के बालों के लिए बेहतरीन है। यह बालों की गांठों को आसानी से सुलझाने और उन्हें टूटने से बचाने में सहायक है। रेट-टेल हेयर ब्रशः यह कंघी बालों को अलग-अलग हिस्सों में बांटने के लिए आदर्श है। इससे बालों की स्टाइलिंग के दौरान उन्हें अलग करना काफी आसान हो जाता है। किसी भी तरह के बालों की स्टाइलिंग के लिए इस कंघी का इस्तेमाल किया जा सकता है।

वेंटेड हेयर ब्रश और बोअर ब्रिसल ब्रश

वेंटेड हेयर ब्रशः अगर आपके पास बालों को ठीक से कंघी करने का समय नहीं है तो वेंटेड हेयर ब्रश आपके गीले बालों को तोड़े बिना उन्हें सुलझाता है और इन्हे सुखाने में भी सहायक है। इसका इस्तेमाल भी हर तरह के बालों पर किया जा सकता है। बोअर ब्रिसल ब्रशः यह कंघी घुंघराले और पतले बाल वाले लोगों के लिए सही है। यह बालों की लंबाई में प्राकृतिक तेलों को वितरित करके उन्हें आसानी से संवारता है।

लूप हेयर ब्रश

इस कंघी में लूप ब्रिसल्स होते हैं, जो बालों के एक्सटेंशन को बिना खींचे संवारते हैं। आपके बाल भले ही किसी भी प्रकार के हो, अगर आपने हेयर एक्सटेंशन करवा रखा है तो लूप हेयर ब्रश का इस्तेमाल करें।

शहद के इस्तेमाल से बनाए जा सकते हैं ये स्वादिष्ट व्यंजन

शहद कई औषधीय गुणों से भरपूर होता है और इसका नियमित सेवन करना स्वास्थ्य के लिए लाभदायक होता है। अगर आप किसी भी व्यंजन में इसका सीमित मात्रा में इस्तेमाल करते हैं तो इससे उसका स्वाद काफी बढ़ जाता है। आइए हम आपको शहद के इस्तेमाल से बनाए जाने वाले पांच व्यंजनों की रेसिपी बताते हैं, जिन्हें आप घर पर सिर्फ 20 से 30 मिनट में तैयार कर सकते हैं।

हनी फ्रेंच टोस्ट

इसे बनाने के लिए आपको दो फेंटे हुए अंडे, एक चौथाई कप दूध, एक चौथाई कप शहद, एक चौथाई छोटी चम्मच नमक, छह-आठ ब्रेड के स्लाइस और थोड़े मक्खन की आवश्यकता होगी। सबसे पहले अंडे, दूध, शहद और नमक को डालकर अच्छी तरह मिलाएं। इसके बाद एक सॉस पैन में मक्खन पिघलाएं और ब्रेड स्लाइस को अंडे के मिश्रण में डुबोएं और फिर इसे दोनों तरफ से सुनहरा होने तक सेंके और गरमागरम परोसें।

हनी चिली पोटैटो

हनी चिली पोटैटो के लिए पहले आवश्यकतानुसार आलू को धोकर छीलें, फिर इन्हें फ्रेंच फ्राइज के आकार में काटकर अरारोट से मैरीनेट करें। इसके बाद फ्रेंच फ्राइज को डीप फ्राई करके प्लेट में निकालें। अब गर्म कुकिंग ऑयल में कटी हुई शिमला मिर्च, हरी मिर्च, अदरक, टोमैटो सॉस, चिली सॉस, सोया सॉस, कुटी लाल मिर्च, थोड़ा नमक और सिरका डालकर कुछ मिनट पकाएं और फिर गैस बंद करके इसमें शहद मिलाएं। अंत में इसमें तले फ्रेंच फ्राइज मिलाकर इसे परोसें।

बेक्ड हनी चीज केक

सबसे पहले अपने ओवन को 180 डिग्री सेल्सियस पर प्रीहीट करें और एक केक पैन को मक्खन से चिकना करके उसमें एक बेकिंग पेपर डालें। अब एक कटोरे में कटे हुए खजूर, ओट्स, सूरजमुखी के बीज, दालचीनी और नारियल समेत पिघला मक्खन मिलाएं। इसके बाद मिश्रण को केक पैन में डालें और बेक करें, फिर बेक केक पर क्रीम चीज, अंडे, नींबू के रस, वनिला एसेंस और शहद को फेटकर डालें और दोबारा इसे बेक करने के बाद परोसें।

स्पाइस हनी कैमोमाइल कूलर

सबसे पहले थोड़ा पानी उबाकर उसमें कैमोमाइल टी बैग्स, दालचीनी और लौंग डालकर पांच मिनट के लिए उबालें। इसके बाद पानी में से दालचीनी और लौंग को निकालकर इसमें नींबू का रस और शहद मिलाएं। अब इस मिश्रण को एक घंटे के लिए फ्रिज में रख दें और फिर प्रत्येक गिलास में एक बड़ा चम्मच संतरे का रस और कुछ बर्फ के टुकड़ों समेत तैयार ड्रिंक डालकर इसे परोसें।

बनाना हनी मफिन

सबसे पहले अपने ओवन को 190 डिग्री सेल्सियस पर प्रीहीट करें। इसके बाद एक पैन में मक्खन पिघलाकर उसमें शहद और दूध डालें, फिर इसमें मैश किए हुए केले डालें। अब इसमें मैदा, बेकिंग पाउडर, थोड़ा नमक मिलाकर गैस बंद करें और मिश्रण को मफिन कप में डालकर 20 से 25 मिनट तक अच्छे से बेक करें। अंत में थोड़ा ठंडा करके मफिन को परोसें।

क्या है दूध पीने का सही समय, ताकि मिलें अधिक फायदे

भारतीय डाइट में दूध की एक खास जगह है। फिर चाहे वयस्क हों या छोटे बच्चे सभी दूध का गिलास रोज़ पीने की कोशिश करते हैं। खासतौर से बच्चों की अच्छी ग्रोथ के लिए उन्हें दूध ज़रूर पिलाया जाता है, वहीं वयस्कों को हड्डियों की मज़बूती के लिए दूध ज़रूर पीना चाहिए। दूध में कई तरह के फ्लेवर मिलाकर भी पिया जा सकता है। कई लोग इसे सुबह पीना पसंद करते हैं, तो कई इसे सोने से पहले पीते हैं। लेकिन, क्या आप जानते हैं कि दूध को पीने का सही समय क्या है?

दूध पीने का बेस्ट समय क्या है?

आयुर्वेद की मुताबिक, वयस्कों के लिए दूध पीने का बेस्ट समय है रात का सोने से पहले। वहीं, बच्चों को सुबह ही दूध पी लेना चाहिए। रात में दूध पीने से ओजस को बढ़ावा मिलता है। ओजस को आयुर्वेद में एक ऐसी अवस्था के रूप में जाना जाता है, जब उचित पाचन हासिल हो जाता है। दूध पीने से अच्छी नींद लेने में मदद मिलती है। साथ ही सोते समय एक्टिविटी का स्तर भी कम होता है, इसलिए शरीर दूध से ज़्यादा से ज़्यादा कैल्शियम अवशोषित कर लेता है।

दूध पीने के फायदे क्या हैं?

दूध पोषक तत्वों से भरपूर होता है, जिससे हड्डियां भी मज़बूत होती हैं। यह प्रोटीन, कैल्शियम, विटामिन-बी12, विटामिन-डी और फॉसफोरस का उच्च स्रोत है। रोज़ दूध पीने से इम्यूनिटी को बढ़ावा मिलता है, लेकिन इससे सीने में जलन भी शुरू हो सकती है।

एक दिन में कितना दूध पीना चाहिए?

आप दिनभर में आराम से 2 से 3 कप दूध पी सकते हैं, लेकिन साथ ही याद रखें कि किसी भी चीज़ की अति हानिकारक हो सकती है। अगर आप फुल-क्रीम दूध पी रहे हैं, तो एक या दो कप से ज़्यादा न पिएं, वरना यह वज़न बढ़ने का कारण बन सकता है।

दूध को कैसे स्वादिष्ट बनाया जा सकता है?

ऐसे लोग कम ही हैं, जिन्हें सादा दूध पसंद आता हो। यही वजह है कि मिल्क शेक, फ्रूट शेक काफी पॉपुलर हैं। हालांकि, आयुर्वेद की मानें तो दूध या दही में कभी भी फलों को मिलाकर नहीं पीना चाहिए।

ऐसा माना जाता है कि फल दूध के साथ मिलकर गैस पैदा करते हैं, इन टॉक्सिन्स से साइनस, सर्दी, खांसी और एलर्जी होती है। आप दूध में नेचुरल फ्लेवर्स, चीनी, गुड़, शहद, खजूर या फिर हल्दी मिलाकर पी सकते हैं। बच्चों के लिए दूध में चॉकलेट पाउडर मिलाया जा सकता है।

दूध पीने का सही तरीका क्या है?

आयुर्वेद में दूध के साथ फलों को मिलाकर पीने की सलाह नहीं दी जाती है। ऐसे में सवाल यह है कि फिर दूध को पीने का सही तरीका क्या है?

दूध चाहे ठंडा हो या गर्म, दोनों ही तरह से शरीर को फायदा पहुंचाता है, लेकिन इस इस बात से भी फर्क पड़ता है कि आप दूध किस समय पी रहे हैं। अगर आप दूध को दिन के समय पी रहे हैं, तो ठंडा या गर्म कैसा भी पी सकते हैं। जबकि, रात में सोने से पहले पी रहे हैं, तो गुनगुना या गर्म दूध ही पिएं।

रात में ठंडा दूध पेट में दिक्कत पैदा कर सकता है, जिससे आपकी नींद खराब हो सकती है।